▪ वैशाख शुक्ल - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 287 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 16-05-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

राम विरोधियों और राष्ट्रविरोधियों को दंडित करने के लिए हैं यह चुनाव : नड्डा

6 शिवाजी महाराज के शासनकाल की आर्थिक नीतियां

7 अगर आप मुझे एक बार मारेंगे तो मुझसे कई बार मार खाने के लिए तैयार रहें

धर्म के आधार पर बजट को बांटना चाहती है कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह केंद्र सरकार के बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा अल्पसंख्यकों को आवंटित करना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने धर्म के आधार पर बजट को बांटने और नौकरियों या शिक्षा में आरक्षण की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच केंद्र में सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस ने बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों पर खर्च करने की योजना बनाई थी जो कि उसका 'पसंदीदा वोट बैंक' है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के कारण उसने प्रस्ताव छोड़ दिया।

उत्तर महाराष्ट्र में नासिक जिले के पिंपलगांव बसवंत में महायुति उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री भारती पवार (भाजपा) और हेमंत गोडसे (शिवसेना) के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट को धार्मिक आधार पर बांटना एक खतरनाक विचार है। उन्होंने कहा, हम सभी को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देते हैं। लेकिन कांग्रेस धर्म के आधार पर बजट का बंटवारा और वितरण चाहती है। उन्होंने धर्म के आधार पर देश को बांटा और आज भी वह यही कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर नौकरियों और शिक्षा में धर्म आधारित आरक्षण के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने कहा, जब मैं (गुजरात का) मुख्यमंत्री था तो कांग्रेस (तत्कालीन संप्रग सरकार) ने अल्पसंख्यकों के लिए बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करने का प्रस्ताव रखा था। भाजपा ने इस कदम का कड़ा विरोध किया और इसलिए इसे लागू नहीं किया जा सका। लेकिन कांग्रेस (अगर सत्ता में आई तो) इस खतरनाक प्रस्ताव को फिर से लाना चाहती है।

उद्धव ठाकरे नीत पार्टी पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि 'नकली शिवसेना' ने कांग्रेस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार का नाम लिए बिना मोदी ने कहा, महाराष्ट्र में इंडि गठबंधन के एक नेता को पता है कि कांग्रेस बुरी तरह हार रही है। इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि छोटे दलों का कांग्रेस में विलय कर देना चाहिए ताकि इसे मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिल सके। उन्होंने कहा कि 'नकली' शिवसेना और 'नकली' राकांपा (शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी का जिक्र करते हुए) का कांग्रेस में विलय निश्चित है। उन्होंने कहा, छोटे दलों का कांग्रेस में विलय निश्चित है। जब शिवसेना (उद्धव की अध्यक्षता वाली शिवसेना यूबीटी का जिक्र करते हुए) का विलय होगा, तो मुझे बालासाहेब ठाकरे के शब्द याद आएंगे कि अगर शिवसेना कांग्रेस की तरह हो गई तो वह अपनी पार्टी को बंद कर देंगे। अब नकली शिवसेना का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। नकली शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के सारे सपने कुचल दिए हैं।

मोदी ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दिवंगत बाल ठाकरे ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का सपना देखा था। उन्होंने कहा, सपना पूरा हो गया है, लेकिन नकली शिवसेना परेशान है। कांग्रेस ने 'प्राण प्रतिष्ठा' (राम मंदिर) के निमंत्रण को खारिज कर दिया और नकली शिवसेना ने भी यही रास्ता अपनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता अयोध्या में राम मंदिर में होने वाले धार्मिक रिवाजों की आलोचना कर रहे हैं लेकिन नकली शिवसेना चुप है। उन्होंने कहा, कांग्रेस वीर सावरकर (हिंदुत्व विचारक) को गाली देती है, लेकिन नकली शिवसेना कांग्रेस का समर्थन कर रही है। नकली शिवसेना ने पूरी तरह से कांग्रेस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में किया रोड शो, भारी भीड़ अभिवादन के लिए जुटी

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुंबई महानगर के अंतर्गत आने वाली लोकसभा सीट से लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के समर्थन में बुधवार शाम को मुंबई में विशाल रोड शो किया। प्रधानमंत्री का अभिवादन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग उत्सुकता से सड़क के किनारे खड़े थे।

प्रधानमंत्री का यह रोड शो 20 मई को मुंबई की छह लोकसभा सीट सहित महाराष्ट्र की कुल 13 सीट पर होने वाले मतदान से पहले हुआ। महाराष्ट्र में पांचवें चरण के साथ ही चुनाव संपन्न हो जाएगा। भाजपा के स्टार प्रचारक ने उत्तर पूर्व मुंबई में घाटकोपर (पश्चिम) के अशोक सिल्क मिल से पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच शाम करीब सात बजे अपना रोड शो शुरू किया और शहर के विभिन्न हिस्से से होते हुए घाटकोपर(पूर्व) के पार्श्वनाथ चौक पर एक घंटे से अधिक समय के बाद समाप्त हुआ।

फर्स्ट टेक

एक घंटे में महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ 50 हजार से अधिक बुकिंग

मुंबई/एजेन्सी। एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज अपनी हाल ही में लॉन्च की गई कॉम्पैक्ट एसयूवी, एक्सयूवी 3एक्सओ के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की जब सुबह 10 बजे बुकिंग शुरू होने के पहले एक घंटे के भीतर इस वाहन को 50000 से अधिक बुकिंग प्राप्त हुईं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एक्सयूपी 3एक्सओ ने देश भर में ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है, केवल पहले 10 मिनट के भीतर 27000 से अधिक बुकिंग दर्ज की गई हैं, जो महिंद्रा की नई एसयूवी के लिए अविश्वसनीय उत्साह को दर्शाता है। कंपनी के ऑटोमोटिव डिवीजन के अध्यक्ष वीजय नाकरा ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि एक्सयूवी 3एक्सओ को खुलने के तुरंत बाद 50000 बुकिंग मिली हैं, जो हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर दिखाए गए भरोसे का प्रमाण है।

इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र के फिलीस्तीनी संबंधित प्रस्ताव को किया अस्वीकार

तेल अवीव/एजेन्सी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने फिलीस्तीन के अधिकारों का विस्तार करने के संयुक्त राष्ट्र महासभा के निर्णय को सर्वसम्मति से अस्वीकार कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पिछले सप्ताह, संयुक्त महासभा ने विश्व संगठन में फिलीस्तीन के अधिकारों का विस्तार करने वाले एक प्रस्ताव को अपनाया था। इसी दौरान, इस प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद सदस्यता के लिये की गयी अनुरोध पर अनुकूल तरीके से पुनर्विचार करने की सिफारिश की थी। सूत्रों ने एक बयान में कहा, सरकार ने सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के 10 मई, 2024 के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव को अस्वीकार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बयान में कहा गया कि अपनाया गया प्रस्ताव विवादित क्षेत्रों की स्थिति को नहीं बदलता है और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण को कोई अधिकार प्रदान करता है।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री गोलीबारी में घायल

ब्रातीस्लावा (स्लोवाकिया)/एपी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको गोलीबारी में घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। समाचार टेलीविजन स्टेशन 'टीए3' की खबर के अनुसार यह घटना राजधानी से लगभग 150 किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में हैंडलोवा शहर में हुई। खबर के अनुसार इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

सूर्यास्त 16-05-2024 6:27 बजे | सूर्योदय 17-05-2024 5:42 बजे

BSE	NSE
72,987.03	22,200.55
(-117.58)	(-17.30)

सोना	चांदी
7,505 रु.	90,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सीएए के तहत 14 लोगों को भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र सौंपे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी करने के साथ 14 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई। इसके साथ ही पड़ोसी देशों में प्रताड़ना के शिकार होकर भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ''ऐतिहासिक दिन'' करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले लोगों का दशकों पुराना इंतजार खत्म हो गया है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने एक निर्दिष्ट पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर ऑनलाइन मंजूरी के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे।

महिला आयोग का कर्नाटक पुलिस को नोटिस

हुब्बल्ली में फिर एक युवती की हत्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। नई दिल्ली राष्ट्रीय महिला आयोग ने प्रेम प्रस्ताव अस्वीकर करने पर एक महिला की हत्या के मामले में कर्नाटक पुलिस को नोटिस जारी किया है और तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। महिला आयोग ने बुधवार को यहां बताया कि आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने प्रेम प्रस्ताव अस्वीकार करने पर कर्नाटक में 21 वर्षीय एक युवती अंजली की हत्या पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने राज्य पुलिस को इस मामले की जांच करने और उस पर तेजी से कार्रवाई के निर्देश भी दिये हैं। श्रीमती शर्मा ने राज्य पुलिस को भेजे एक पत्र में कहा है कि फरार आरोपियों को तुरंत पकड़ा जाना चाहिए और तीन दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट आयोग को भेजी जानी चाहिए।

पीओके भारत का हिस्सा है, हम इसे लेकर रहेंगे : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेराम्पोर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया और कहा, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे ले लेंगे।

सेराम्पोर में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद एक समय संकटग्रस्त रहे कश्मीर में शांति लौट आई है लेकिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर अब आजादी के नारों और विरोध प्रदर्शनों से गूंज रहा है। उन्होंने कहा, सरकार द्वारा 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद कश्मीर में शांति लौट आई है। लेकिन अब हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं। पहले आजादी के नारे यहां सुनाई देते थे, अब वही नारे पीओके में सुनाई देते हैं। पहले यहां पथराव होता था, अब पीओके में पथराव हो रहा है।

पीओके पर कब्जे की मांग का समर्थन नहीं करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर, भारत का हिस्सा है और हम इसे लेंगे।

शाह ने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूजिव अलायंस (इंडी) गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं और ईमानदार राजनेता नरेन्द्र मोदी के बीच चयन करने का चुनाव है। मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बावजूद उनके खिलाफ कभी भी एक पैसे का भी कोई आरोप नहीं लगा। उन्होंने कहा, यह इंडी गठबंधन की 'चीनी गारंटी' और मोदी जी के ठोस वादों के बीच की लड़ाई है।

ईडी ने धन शोधन मामले में झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता एवं झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को धन शोधन मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यहां एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के दूसरे दिन लगभग छह घंटे तक किए गए सवाल-जवाब के बाद उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया गया।

संघीय एजेंसी ने मंगलवार को उनसे नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी और उनका बयान भी दर्ज किया था।

एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक फ्लैट से 32 करोड़ से अधिक की नकदी जब्त करने के बाद आलम के निजी सचिव एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल (52) तथा लाल के घरेलू सहायक जहांगीर आलम (42) को गिरफ्तार किया था।

धन शोधन जांच राज्य ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं और ''रिश्वत'' लेने से संबंधित है।

गिरफ्तार दोनों लोगों की रिमांड की मांग करते हुए, ईडी ने यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत को बताया था कि लाल ने कुछ प्रभावशाली लोगों की ओर से ''कमीशन'' एकत्र किया और ग्रामीण विभाग में ''ऊपर से नीचे'' तक के सरकारी अधिकारी कथित तौर पर रिश्वत लेने की सांठगांठ में शामिल हैं। इस मामले में ईडी की ओर से कुल लगभग 36.75 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे क्योंकि एजेंसी ने अन्य स्थानों से भी लगभग तीन करोड़ रुपए जब्त किए थे।

चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा : जयशंकर

कोलकाता/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा और इसे लेकर संकीर्ण सोच नहीं रखनी चाहिए। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ईरान के साथ व्यापारिक समझौते करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंधों का खतरा है।

जयशंकर ने मंगलवार रात कोलकाता में एक कार्यक्रम में कहा कि अतीत में अमेरिका भी इस बात को मान चुका है कि चाबहार बंदरगाह की व्यापक प्रासंगिकता है।

भारत ने सोमवार को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है, जिससे नई दिल्ली को मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

> मैंने कुछ बयान देखे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यह लोगों को बताने और समझाने का सवाल है कि यह वास्तव में सभी के फायदे के लिए है। मुझे नहीं लगता कि इस पर लोगों को संकीर्ण विचार रखने चाहिए। और उन्होंने अतीत में ऐसा नहीं किया है।

जयशंकर ने कहा, चाबहार बंदरगाह से हमारा लंबा नाता रहा है लेकिन हम कभी दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं कर सके। इसकी वजह है कि कई समस्याएं थीं। अंतत: हम इन्हें सुलझाने में सफल रहे हैं और दीर्घकालिक समझौता कर पाए हैं। दीर्घकालिक समझौता जरूरी है क्योंकि इसके बिना हम बंदरगाह पर परिचालन नहीं सुधार सकते। और हमारा मानना है कि बंदरगाह परिचालन से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

भारतीय अदालतें विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदल गई हैं : प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली/भाषा। देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गए ''साम्राज्य'' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई हैं। प्रधान न्यायाधीश 'डिजिटल परिवर्तन और न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल' विषय पर ब्राजील के रियो डी जनेरियो में जे20 शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

जे-20 उच्चतम न्यायालयों और संवैधानिक अदालतों के मुख्य न्यायाधीशों का एक समूह है, जिसके सदस्य जी-20 देश हैं। इस साल जे-20 सम्मेलन का आयोजन 'ब्राजीलियन फेडरल सुप्रीम कोर्ट' की ओर से किया गया है।

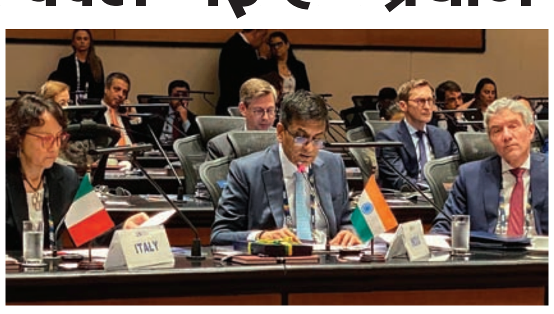

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, भारतीय अदालतों की पुनर्कल्पना अब थोपे गए ''साम्राज्य'' के बजाय विमर्श की लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में की गई हैं। कोविड-19 महामारी के कारण अदालतों की व्यवस्थाओं को रातों-रात बदलना पड़ा। उन्होंने मुकदमे से जुड़ें पक्षों और कम 'कनेक्टिविटी' वाले स्थानों के बीच डिजिटल विभाजन और प्रतिनिधित्व संबंधी विषमता पर भी बात की। इन विषमताओं को ''अड़चनें'' बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें इनसे निपटना होगा। जब हम न्यायिक दक्षता की बात करते हैं, तो हमें न्यायाधीश की दक्षता से परे हटकर देखना चाहिए और समग्र न्यायिक प्रक्रिया के बारे में सोचना चाहिए।

इंदिरा-राजीव को लेकर मोदी की ओछी टिप्पणी ठीक नहीं : खरगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिदायत देते हुए कहा है कि श्री मोदी को समझना चाहिए कि अमेठी और रायबरेली के साथ गांधी परिवार का सौ साल पुराना रिश्ता है इसलिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तथा राजीव गांधी को लेकर उन्हें हल्की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

खरगे ने कहा, गांधी परिवार ने देश क असाधारण सेवा की है। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने खुद को देश के लिए कुर्बान किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तो अपनी हज़ारों करोड़ रुपए की संपत्ति देश के नाम कर दी थी उन्होंने कहा,कांग्रेस पार्टी के साथ राय बरेली और अमेठी का रिश्ता 100 साल का है। मोदी जी आज उसी गाँधी परिवार को गाली देते नहीं थकते। वे इंदिरा गाँधी जी और राजीव जी पर भी अपनी ओछी राजनीतिक टीका-टिप्पणी करते हैं। वह भूल जाते है कि वह देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में बात कर रहे हैं, जिन्होंने इस देश के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया। यहाँ तक की अपनी जान भी कुर्बान कर दी।

नौ साल में कृषि स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 से अधिक हुई : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कारोबार के अनुकूल माहौल और सरकार के समर्थन के कारण पिछले नौ साल में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में स्टार्टअप इकाइयों की संख्या 7,000 से अधिक हो गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) द्वारा बुधवार को जारी 'भारत के कृषि परिवर्तन' शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2014-15 से पहले कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। कृषि और कृषक कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) वित्तीय सहायता प्रदान करके और एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करके नवाचार और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018-19 से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत 'नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास' कार्यक्रम लागू कर रहा है। वर्ष 2018-19 के दौरान देशभर में स्टार्टअप के इनक्यूबेशन और इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए विभाग द्वारा पांच नॉलेज पार्टनर्स (केपी) और 24 आरकेवीवाई-एग्रीबिजनेस इनक्यूबेटर्स (आर-एबीआई) नियुक्त किए गए हैं, जो वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं। रिपोर्ट में सरकार के एक दशक लंबे प्रयासों की सराहना की गई है, जिसमें व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकार किया गया है, जिसका फल मिला है।

इसमें कहा गया है कि किसानों की आय, कृषि बीमा योजनाओं और विस्तारित सिंचाई कवरेज का समर्थन करने वाली पहल से लेकर जैविक खेती को बढ़ावा देने, महिला किसानों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सेवाओं को डिजिटल बनाने तक, सरकार ने किसानों के हित में एक समग्र रणनीति अपनाई है। नौ वर्षों के दौरान कृषि के लिए बजट आवंटन में 300 प्रतिशत का उछाल आया है। यह 30,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापक फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण ढाल के रूप में कार्य करती है, जो अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे उनकी आजीविका सुरक्षित होती है और वित्तीय बर्बादी को रोका जा सकता है। भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार की उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण भारतीय कृषि वर्तमान में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है।

भारत को मोदी के मजबूत हाथों में रहने की जरूरत : उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने बुधवार को कहा कि ऐसे वक्त में जब पूरा विश्व युद्ध की कगार पर खड़ा है भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। शम्स ने बताया, युद्ध के बादल पूरी दुनिया पर मंडरा रहे हैं। विभिन्न देशों में अराजकता और संघर्ष का माहौल व्याप्त है। ऐसे वक्त में भारत को प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा, उन्हें तीसरा कार्यकाल मिलना चाहिए। अगर इस समय नेतृत्व कमजोर हाथों में चला गया तो देश को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा।

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मुस्लिम समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ सोमवार को हरिद्वार के पिरान कलियर स्थित साबिर साहब की प्रसिद्ध दरगाह में मोदी के लिए चादर भी चढ़ाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रार्थना की जिससे भारत उनके नेतृत्व में आगे बढ़ता रहे और विकास की प्रक्रिया चलती रहे। शम्स ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। समाज के उस आखिरी व्यक्ति को, जिसे पहले कल्याण योजनाओं का लाभ कभी नहीं मिला था, उसे भी अपने सिर पर छत और शौचालय मिल रहा है। सड़कें बन रही हैं और देश हर मोर्चे पर प्रगति कर रहा है।

अगर लोग भाजपा को वोट देंगे तो मुझे जेल जाना होगाः अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि अगर लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट दी तो उन्हें जेल जाना होगा। केजरीवाल ने लोगों से विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के उम्मीदवार को वोट देने का आग्रह किया।

'इंडिया' गठजोड़ के तहत 'आप' और कांग्रेस दिल्ली में लोकसभा चुनाव मिल कर लड़ रही हैं। चांदनी चौक लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल के पक्ष में मॉडल टाउन इलाके में रोड शो करते हुए केजरीवाल ने यह नारा भी दिया कि 'जो करे केजरीवाल को प्यार वो करे मोदी को इनकार। केजरीवाल ने कहा, मैं जेल से सीधे आपके बीच आया हूं। इन लोगों (भाजपा) ने मुझे सलाखों के पीछे डाल दिया और मुझे आपकी बहुत याद आई। मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। मैं जानता हूं कि आप भी मुझसे बहुत प्यार करते हैं। मैं एक छोटा आदमी हूं। हमारी पार्टी छोटी है जिसकी दिल्ली और पंजाब में सरकारें हैं। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि मुझे जेल में क्यों डाला गया। मेरा दोष क्या है? ये लोग काफी शक्तिशाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका दोष बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना, उनके लिए अच्छे स्कूल बनाना, मोहल्ला क्लिनिक खोलना और लोगों के लिए मुफ्त दवाओं की व्यवस्था करना है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, अब वे कह रहे हैं कि मुझे फिर से जेल जाना होगा।

ढांचागत बदलाव में मोदी ने निभाई सक्रिय भूमिका : सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सक्रिय भूमिका और व्यक्तिगत निगरानी ढांचागत क्षेत्र की तस्वीर बदलने के लिए जिम्मेदार है जबकि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में नीतिगत निष्क्रियता होने से इस क्षेत्र को नुकसान उठाना पड़ा था। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में ढांचागत क्षेत्र पर समुचित ध्यान न देने के लिए कांग्रेस की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि 2004-14 के शासनकाल में संप्रग ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं को व्यर्थ कर दिया और प्रभावी ढांचागत विकास पर ध्यान न देकर देश को 'पांज नाजुक' अर्थव्यवस्थाओं में धकेल दिया। वित्त मंत्री ने कहा, संप्रग के तहत भारत की आर्थिक जरूरतों के लगभग सभी पहलुओं का कुप्रबंधन किया गया या उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार ने बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान न देकर भारत को न केवल बहुत जरूरी सड़कों, रेलवे, बिजली से वंचित कर दिया, बल्कि इसने भारत की दीर्घकालिक आर्थिक क्षमता को भी नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय भूमिका ने बुनियादी ढांचे में बदलाव को संभव बना दिया है। प्रधानमंत्री ने प्रगति मंच के जरिये इन परियोजनाओं की प्रगति की व्यक्तिगत तौर पर निगरानी की है, पहले शुरू की गई परियोजनाओं की भी। इससे लंबे समय से लटकी परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हुईं। इसके साथ ही सीतारमण ने मोदी सरकार के समय सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में हुई बढ़ोतरी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इससे न केवल जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक सक्षमता को भी सुधारती है।

पिछले 10 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुईः वीके सारस्वत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारत की रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है और अब देश केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों के लिए ही हथियारों के आयात पर ही निर्भर है। नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष सारस्वत ने बताया कि वर्तमान समय में भारत के कुल 60 प्रतिशत हथियार और गोला-बारूदों को देश में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पिछले 10 वर्षों में भारत की रक्षा क्षमता में काफी वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 2014 में सत्ता में आयी थी और फिर 2019 में उन्होंने प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाई। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की एक हालिया रिपोर्ट को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सारस्वत ने कहा, भारत की रक्षा का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अब काफी हद तक स्वदेशी है।

अब हम केवल सशस्त्र बलों की तात्कालिक जरूरतों या ऐसी किसी चीज के लिए ही आयात पर निर्भर हैं जिसके लिए हमारे पास तकनीक का अभाव है। उन्होंने बताया कि अब अडानी ग्रुप, टाटा ग्रुप और लार्सन एंड टूब्रो जैसी बड़ी कंपनियां देश में ही रडार सिस्टम और बंदूकों का निर्माण कर रही हैं।

स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) द्वारा 11 मार्च को पेश की गई रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक देश बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2014-2018 और 2019-2023 के बीच भारत द्वारा हथियारों के आयात में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

देश के कुछ हिस्सों में लू के प्रकोप के कारण इस गर्मी के मौसम में बिजली कटौती की आशंका संबंधी सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश की विद्युत क्षमता इन जरुरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

सारस्वत ने कहा कि भारत की संस्थापित विद्युत क्षमता लगभग 452 गीगावाट है और यह देश की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बार बिजली क्षमता के कारण बिजली कटौती करनी पड़ेगी।

मुंबई होर्डिंग हादसाः एनडीआरएफ ने कहा- दुर्घटनास्थल पर हताहतों के जीवित मिलने की संभावना कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के घाटकोपर इलाके में एक विशाल होर्डिंग गिरने वाले स्थान पर राहत एवं बचाव अभियान चला रहे राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बुधवार को कहा कि मृतक संख्या बढ़ने से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि हताहतों के जीवित मिलने की संभावना कम है।

तेज हवाओं और बेमौसम बारिश के कारण सोमवार शाम घाटकोपर के छेदा नगर इलाके में एक पेट्रोल पंप पर गिरे होर्डिंग के नीचे फंसे लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम दो दिन से अभियान चला रही है। उसके साथ दमकल और पुलिस के कर्मी भी लगे हैं। अधिकारी ने बताया कि राहत-बचाव दल ने अब तक होर्डिंग के नीचे दबे हुए 89 लोगों को बाहर निकाला है। इनमें से 14 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया जबकि 75 अन्य घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में दो और शवों का पता चला है, लेकिन उन्हें बाहर निकाला जाना बाकी है। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि भारी मशीनों की सहायता से होर्डिंग के स्टील ढांचे और गर्डर को वहां से हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस हादसे में अधिक लोगों के हताहत होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि लोगों के जीवित मिलने की संभावना कम है। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार सुबह दुर्घटनास्थल पर अभियान के दौरान एक जगह आग लग गई। उन्होंने बताया कि वहां तैनात दमकल कर्मियों ने तुरंत ही इस आग पर काबू पा लिया।

'सत्ता में बने रहने के लिए राष्ट्र को बांट रहे हैं पीएम मोदी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में बने रहने के लिए राष्ट्र को बांटने के प्रयास का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि वह भविष्य में सत्ता में रहें या न रहें, लेकिन यह देश हमेशा रहेगा। दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग के शांगस इलाके में चुनावी रैली के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, हमें एक साथ रहना है। हमें देश को बचाना है। हमें बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करना है। वह (मोदी) कुर्सी बचाने के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

अब्दुल्ला ने कहा, दुर्भाग्य से, कुर्सी नहीं रहती, लेकिन राष्ट्र हमेशा रहता है। वह जो राष्ट्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं वह विनाशकारी होने वाला है। खुद पर धर्म के नाम पर राजनीतिक करने का आरोप लगने के संदर्भ में उन्होंने कहा, मैं धर्म के नाम पर राजनीति नहीं कर रहा। हमारा धर्म हमें अच्छी चीजें सिखाता है। कोई भी धर्म बुरा नहीं है। लोग बुरे होते हैं, जो इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मोदी क्या कर रहे हैं? क्या वह राम मंदिर नहीं जाते...? वह क्या दिखाना चाह रहे हैं? क्या वह अशांति, घृणा नहीं पैदा कर रहे हैं? क्या राम सिर्फ हिंदुओं के हैं? राम केवल हिंदुओं के नहीं है, राम विश्व के हैं। वह सभी के हैं।

केजरीवाल के चुनावी अभियान से भाजपा को ही फायदा होगाः पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अंतरिम जमानत पर बाहर आने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का चुनाव अभियान लोगों को शराब घोटाले और उनके अधूरे वादों के बारे में बार-बार याद दिलाएगा जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ही वोट बढ़ेंगे। मुंबई में रोड शो के दौरान 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में गोयल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को शराब घोटाला मामले में गुण और दोष पर न जाते हुए, सिर्फ अंतरिम जमानत दी गई है।

'आप' के नेताओं की संलिप्तता वाले कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस साल 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। पिछले शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी ताकि वह लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार-अभियान में शामिल हो सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल से जब पूछा गया कि क्या केजरीवाल के प्रचार अभियान से लोकसभा चुनाव के नतीजों पर असर पड़ेगा, उन्होंने कहा, उन्हें (केजरीवाल को) केवल बाहर आकर प्रचार करने की अनुमति दी गई है जो हमारे लिए अच्छा है। वास्तव में इससे भाजपा के खाते में और वोट जुड़ेंगे क्योंकि लोगों को शराब घोटाला और भ्रष्टाचार तथा केजरीवाल के अधूरे वादे बार-बार याद आते रहेंगे।

गोयल मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार भूषण पाटिल से है।

जीएसटी के सभी मामलों में गिरफ्तारी की जरूरत नहींः उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के सभी मामलों में गिरफ्तारी की कोई जरूरत नहीं है और ऐसा तभी किया जा सकता है जब दोष साबित करने के लिए पक्के सबूत और ठोस सामग्री हो।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सीमा शुल्क अधिनियम और जीएसटी अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की संवैधानिक वैधता और व्याख्या को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि गिरफ्तारी की शक्ति गिरफ्तारी की जरूरत से अलग है। पीठ ने सरकार की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से कहा, कानून यह नहीं कहता है कि जांच पूरी करने के लिए आपको गिरफ्तार करने की जरूरत है। कानून का यह उद्देश्य नहीं है। जीएसटी के हरेक मामले में आपको गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। यह कुछ विश्वसनीय साक्ष्य और ठोस सामग्री पर आधारित होनी चाहिए।

जीएसटी कानून के तहत गिरफ्तारी के प्रावधानों पर राजू से कई सवाल पूछने वाली पीठ ने कहा कि कानून ने खुद ही स्वतंत्रता को ऊंचे मुकाम पर रखा है और इसे कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की तैयारी कर रही है सरकार

नई दिल्ली/भाषा। भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की दक्षता में सुधार, किसानों की आमदनी बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए एआई के इस्तेमाल में तेजी लाने की योजना बना रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्षेत्र में अग्रणी प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर एनआईएफटीईएम द्वारा आयोजित सम्मेलन में वरिष्ठ नौकरशाहों व सरकारी सलाहकारों ने एआई उपकरणों को तैनात करने के लिए रूपरेखा की जरूरत पर जोर दिया। एआई का इस्तेमाल अब भी देश के विशाल खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में शुरुआती चरण में हैं। खाद्य प्रसंस्करण सचिव अनीता प्रवीण ने इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव का जिक्र करते हुए कहा, एक उद्योग के तौर पर हमें एक रूपरेखा तैयार करने की जरूरत है।

नगर निगम के अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों की ''फौजियों जैसी वर्दी'' पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी के चयन पर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इस गणवेश को ''फौजियों जैसी वर्दी'' करार देते हुए आरोप लगाया कि दस्ते के भ्रष्ट कर्मचारियों द्वारा यह वर्दी पहनना सेना का अपमान है। अधिकारियों ने बताया कि आईएमसी के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के कर्मचारियों के लिए ''कैमोफ्लॉज'' वर्दी का चयन किया गया है ताकि उनमें अनुशासन की भावना बढ़े और ड्यूटी के वक्त उनका पहनावा एक जैसा रहे। आईएमसी में प्रतिपक्ष के नेता चिंटू चौकसे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा,''आईएमसी प्रशासन ने अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों के लिए फौजियों जैसी वर्दी चुनकर सेना का अपमान किया है। ये कर्मचारी ठेलों और रेहड़ी वालों से अवैध वसूली के लिए बदनाम हैं।

चौकसे ने कहा कि अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों का फौजियों जैसी वर्दी पहनना कानूनन गलत है, इसलिए आईएमसी प्रशासन को इन कर्मचारियों के लिए ऐसी वर्दी चुनने का फैसला तुरंत वापस लेना चाहिए। उन्होंने मांग भी की कि सेना के कथित अपमान के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव को इस्तीफा देना चाहिए और आईएमसी आयुक्त शिवम वर्मा को इस पद से हटाया जाना चाहिए। महापौर भार्गव ने कहा कि अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों की नई वर्दी को फौजियों की वर्दी से जोड़ा जाना सरासर गलत है। राजनीति में आने से पहले मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता रह चुके भार्गव ने कहा,''कैमोफ्लॉज वर्दी पहनना कोई अपराध नहीं है। अपराध तब है, जब कोई इस वर्दी पर सेना के प्रतीक चिन्ह धारण करे। आईएमसी के आयुक्त वर्मा ने कहा कि अतिक्रमण रोधी दस्ते के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी का चयन अनुशासन और उनके पहनावे में एकरूपता के मकसद से किया गया है। उन्होंने कहा,''अगर इस वर्दी पर किसी को कोई आपत्ति है, तो हम इसका परीक्षण करेंगे और नियमों के मुताबिक उचित कदम उठाएंगे।

मालीवाल मामले में अपने सहायक का इस्तीफा लें केजरीवाल या खुद पद छोड़ दें: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित बदसलूकी मामले में बुधवार को दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना की और मांग की कि या तो वह अपने सहायक बिभव कुमार का इस्तीफा लें या फिर वह खुद मुख्यमंत्री पद छोड़ दें।

भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मालीवाल की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और केजरीवाल से सवाल किया कि क्या उन्हें 'किसी तरह का समझौता' करने के लिए धमकाया या दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर भी निशाना साधा और कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष सुप्रीमो ममता बनर्जी की कथित चुप्पी पर सवाल उठाया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस थाने पहुंची और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर केजरीवाल के एक निजी सहायक ने उनसे 'मारपीट' की। पुलिस को अभी तक इस घटना को लेकर कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। कथित घटना पर इल्मी ने कहा, यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनकी पिटाई की गई थी... मैं (आम आदमी पार्टी में) सभी को अच्छी तरह जानती हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए गलत जानकारी देने वालों पर कड़ी कार्रवाई का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कानूनी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के मामले में गलत जानकारी देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति एस.एम.सुब्रमण्यम की एकल पीठ ने उन लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का आदेश दिया, जो कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए आवेदन करते समय सही तथ्यों को छुपाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि उन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, जो फर्जी आवेदकों के साथ मिलकर ये प्रमाणपत्र जारी करते हैं। कोर्ट ने राजस्व प्रशासन के आयुक्त को पांच सप्ताह के भीतर एक परिपत्र जारी करने का निर्देश दिया। इसमें राज्य के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि यदि उनके पास सही जानकारी छिपाकर कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र के लिए कोई आवेदन आता है, तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज करें।

न्यायाधीश ने कोयंबटूर के एम. मरानन द्वारा दायर एक याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता ने मेट्टुपालयम तहसीलदार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसके पिता मरन्ना गौडर की मौत के बाद कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने के उसके अनुरोध को खारिज कर दिया गया था।

मामले में अतिरिक्त सरकारी वकील यू. भरणीधरन ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय एक भाई और दो बहनें होने के तथ्य को छुपाया था, इसलिए तहसीलदार ने प्रमाणपत्र जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए झूठे दावों से जुड़े ऐसे कई मामले सामने आने पर चिंता जताई।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम ने राजस्व अधिकारियों को सभी बेईमान आवेदकों के खिलाफ तुरंत आपराधिक शिकायत दर्ज कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब तक इस तरह की दंडात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी, तब तक इस बुराई को नियंत्रित करना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकारी अधिकारी भी संलिप्त पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। न्यायाधीश ने राजस्व प्रशासन आयुक्त को निर्देश दिया कि फर्जी आवेदकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में विफल रहने वाले तहसीलदारों को भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी जाए।

लिट्टे के 'स्मरणोत्सव कार्यक्रम'

श्रीलंका के अल्पसंख्यक तमिल बहुल क्षेत्र अलर्ट पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के अलग मातृभूमि की मांग को लेकर किए गए संघर्ष के दौरान मारे गए समूह के सदस्यों की याद में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम से पहले श्रीलंका में उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में ऐसे आयोजना पर लगाम लगाने के लिये सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है। यह आयोजन काफी समय तक चले गृह युद्ध के खत्म होने की वर्षगांठ पर आयोजित किया जाना था।

सुरक्षा बलों को श्रीलंका के तमिल बहुल उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में प्रतिबंधित लिट्टे की अंतिम लड़ाई की 15वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी मिली है।

यह गृहयुद्ध 1983 में शुरू हुआ और करीब तीन दशकों के बाद सेना द्वारा 2009 में लिट्टे के प्रमुख नेताओं को मारे जाने के साथ खत्म हुआ।

सेना ने हालांकि सैनिकों को तैनात न करने का निर्णय लिया है लेकिन सेना और पुलिस का एक विशेष कार्य बल बुधवार से 20 मई तक संभावित लिट्टे स्मरणोत्सव पर कड़ी नजर रखेगा।

पुलिस ने कहा है कि संघर्ष में मारे गए लिट्टे सदस्यों की याद में स्मरणोत्सव मनाने की कोशिश करने वाले समूहों के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मलयालम फिल्म निर्माता को कोच्चि हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया, कोयंबटूर पुलिस को सौंपे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/कोच्चि। मलयालम फिल्मों के निर्माता जॉनी सागरिका को धोखाधड़ी के एक मामले में यहां के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लेकर पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की कोयंबटूर पुलिस को सौंप दिया गया। केरल पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। सागरिका ने मोहनलाल अभिनीत 'तांडवम' सहित कई मलयालम फिल्मों का निर्माण किया है। उन्हें कोयंबटूर में एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कोयंबटूर पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था जिसके आधार पर उन्हें मंगलवार को हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हवाई अड्डे से सूचना मिलने के बाद नेदुमबेशरी पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें स्थानीय पुलिस थाना ले गई। बाद में उन्हें कोयंबटूर पुलिस को सौंप दिया गया।'' हालांकि, अधिकारी ने फिल्म निर्माता के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

उन्होंने कहा, उनके खिलाफ कोयंबटूर में मामला दर्ज किया गया था। जहां तक हमारी जानकारी है, यह धोखाधड़ी का मामला है...बस यही जानकारी है। स्थानीय मीडिया की खबर के मुताबिक, सागरिका ने फिल्म निर्माण के नाम पर शिकायतकर्ता से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये लिए थे। हालांकि, केरल पुलिस ने अबतक इसकी पुष्टि नहीं की है।

दो सड़क दुर्घटनाओं में 9 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। बताया जा हा है कि कलपक्कम में मवेशियों को बचाने की कोशिश में एक कार ने नियंत्रण खो दिया और पेड़ से जा टकराई। कार में सवार पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पांचों युवक पुडुचेरी से लौट रहे थे। मृतकों में से चार की पहचान एजूमलाई, राजेश, विग्नेश और युवराज के रूप में हुई। पांचवें व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है।

एक अन्य घटना में, चेन्नई के मधुरमगाम में एक कार और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। जान गंवाने वाले चार लोगों में से एक कार का ड्राइवर है और तीन अन्य एक ही परिवार के सदस्य हैं। वे अपने एक करीबी रिश्तेदार को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छोड़ने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

इंजीनियर छात्र ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कुडलगेट के एक होस्टल की पांचवी मंजिल से कूदकर इंजीनियरिंग पढ़ रहे एक छात्र ने मंगलवार शाम को आत्महत्या कर ली है।

होसुरु रोड स्थित पीईएस कॉलेज में छठवे सेमेस्टर में पढ़ रहे राहुल (21) ने सुबह कॉलेज में परीक्षा दी और शाम के समय कुडलगेट के पास स्थित अपने होस्टल की पांचवी मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली।

प्रज्ज्वल ने फिर एसआईटी को दिया चकमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यौन उत्पीड़न के आरोपी सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने बताया था कि वे 15 मई को देश लौटेंगे वह फिर झूठ साबित हुआ। उन्होंने बेंगलूरु से सीधी उड़ान के लिए टिकट जर्मनी के म्यूनिख हवाई अड्डे से बेंगलूरु हवाई अड्डे तक बुक की थी। बुधवार को भारतीय समयानुसार शाम 4.05 बजे जहाज रवाना होकर गुरुवार सुबह 00.45 बजे बेंगलूरु पहुंचेगा। प्रज्ज्वल के साथ सात अन्य लोगों के नाम पर टिकट दर्ज थे, लेकिन ऐन वक्त पर प्रज्ज्वल ने अपना फैसला बदल लिया। प्रज्ज्वल ने पहले भी दो बार देश लौटने का फैसला बदला था। हालांकि, प्रज्ज्वल के आज शहर आने की पक्की जानकारी के आधार पर एसआईटी के अधिकारियों ने बुधवार सुबह से ही केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डेरा डाल दिया है।

एसआईटी के छह अधिकारियों की टीम ने जर्मनी में रह रहे हुडी प्रज्ज्वल को मनाकर लाने की कोशिश की है। अधिकारी उन्हें उस देश से बाहर नहीं निकाल सकते, इसलिए उन्हें देश में लाने का पहला प्रयास विफल हो गया है। बताया जाता है कि प्रज्ज्वल के साथ उसका एक और दोस्त भी है, लेकिन वह कौन है, इसके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने हाई कोर्ट के एक मशहूर वरिष्ठ वकील को अपने घर बुलाया है और अपने परिवार पर लगे आरोपों के संबंध में सलाह मांगी है। उनकी सलाह के अनुसार, बेटे ने रेवन्ना के खिलाफ एसआईटी द्वारा दायर आरोप पत्र को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। अपहरण के मामले में एसआईटी ने रेवन्ना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, रेवन्ना को कल ही परप्पा अग्रहारा जेल से रिहा किया गया था।

कर्नाटक में सिलसिलेवार चुनाव

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक के बाद एक हो रहे चुनाव के बाद आदर्श आचार संहिता राज्य के विकास में बाधक बन गई है। राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए दो चरणों का मतदान समाप्त होने के साथ ही स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की खाली होने वाली छह सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस बीच, 17 जुलाई को राज्य विधानसभा द्वारा 11 विधान परिषद सीटें खाली हो जाएंगी और केंद्रीय चुनाव आयोग इन सीटों के लिए अधिसूचना भी जारी करेगा। ग्यारह सीटों के अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर (कांग्रेस) द्वारा खाली की गई अल्पकालिक एक सीट के लिए एक अलग अधिसूचना जारी की जाएगी। बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए शेट्टर को पार्टी ने यह सीट दी है। बाद में जब वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए तो उन्होंने परिषद सीट से इस्तीफा दे दिया, इसलिए रिक्त सीट पर चुनाव होना है।

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग 11 सीटों पर चुनाव की तैयारियों के बाद इन सीटों को जीतने के लिए कांग्रेस, बीजेपी-जेडीएस के बीच होड़ शुरू हो गई है। विधानसभा की ताकत के आधार पर, सत्तारूढ़ कांग्रेस को 11 में से 7सीटें जीतने की संभावना है। बाकी चार में से तीन सीटें बीजेपी और एक जेडीएस को आसानी से मिल जाएगी। पिछली बार बीजेपी से डॉ. तेजस्विनी गौड़ा और केपी नंजुंदी विधान परिषद सदस्य चुने गए थे। बदले हालात में उन्होंने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस में शामिल हो गये।

प्रचार

कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बुधवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राहुल गांधी के प्रचार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी ने संबोधित किया।

विरोध प्रदर्शन

बुधवार को कलबुर्गी में प्रज्नवंत नागरिक वेदिके के सदस्यों ने सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर युवती की चाकू मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली में बुधवार को कथित तौर पर प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर 21 वर्षीय युवती की परिचित ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इससे कुछ सप्ताह पहले इसी तरह कॉलेज की छात्रा नेहा हिरेमठ की उसके पूर्व सहपाठी ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बेंडिगेरी पुलिस थाना क्षेत्र के वीरपुर ओनी इलाके में 23 वर्षीय विश्वा उर्फ गिरीश सावंत ने सुबह पांच बज कर 45 मिनट पर अंजलि अम्बिगेरा के घर का दरवाजा खटखटाया। अधिकारी ने कहा कि जब अंजलि ने दरवाजा खोला, तो

अंजलि

गिरीश सावंत

गिरीश ने उसपर चाकू से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि वारदात के बाद आरोपी भाग गया। अधिकारी के अनुसार, अंजलि की बहन इस निर्मम हत्याकांड की चश्मदीद गवाह है। पुलिस ने बताया कि आरोपी गिरीश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है और उसे पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है। इससे पहले, नेहा हिरेमठ (23) की 18 अप्रैल को हुब्बल्ली में उसके कॉलेज परिसर के अंदर पूर्व सहपाठी फैयाज खोडुनाइक ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

अंजलि की बहन यशोदा ने यहां पत्रकारों से कहा ''गिरीश पिछले कुछ समय से मेरी बहन अंजलि को परेशान कर रहा था। उसने उससे अपने प्यार का इजहार किया लेकिन मेरी बहन ने मना कर दिया। उसने मेरी बहन पर अपने साथ मैसूरु जाने के लिए भी दबाव डाला। उसने उसे धमकी भी दी थी कि उसका हश्र भी नेहा जैसा होगा।''

यशोदा ने कहा, ''जब हमने पुलिस को उसकी धमकियों के बारे में सूचित किया, तो उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया और आज देखिए, मेरी बहन मर गई।'' अंजलि के परिवार और स्थानीय निवासियों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए यहां विरोध प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और न्याय दिलाने का आश्वासन देकर उन्हें वहां से हटा दिया। अंजलि के पिता मोहन ने कहा कि करीब सात महीने पहले उनकी बेटी ने उन्हें बताया था कि गिरीश उसे परेशान कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''मैंने उसे (गिरीश) चेतावनी दी थी। लेकिन आज सुबह, दुर्भाग्य से उसी व्यक्ति ने मेरी बेटी की हत्या कर दी। आरोपी को सजा मिलनी चाहिए।'' अंजलि के परिवार ने कहा कि किसी भी लड़की को उस स्थिति का सामना नहीं करना चाहिए, जिस स्थिति का सामना अंजलि ने किया। परिवार ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, जो फरार है।

इस बीच, कांग्रेस पार्षद और नेता के पिता निरंजन हिरेमठ ने मृतक के परिवार से मुलाकात की और उत्तरी कर्नाटक में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की । उन्होंने घटना को रोकने में ''कथित विफलता'' के लिए हुब्बल्ली-धारवाड़ की पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार को निलंबित करने की मांग की। अंजलि की नृशंस हत्या के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आरोपियों ने खुलेआम पीड़िता को धमकी दी थी कि उसका भी वही हश्र होगा जो नेहा का हुआ था, लेकिन जब युवती के परिवार वाले पुलिस के पास शिकायत करने गए तो उसने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने कहा, मेरी बेटी की हत्या के एक महीने से भी कम समय में, आज सुबह एक और नृशंस और दुर्भाग्यपूर्ण हत्या हुई। मैं बार-बार राज्य सरकार और गृह मंत्री (जी. परमेश्वर) से (ऐसी घटनाओं के खिलाफ) एक उचित कानून लाने का आग्रह कर रहा हूं। अंजलि के मामले में पुलिस अपराधी को पकड़ने में विफल रही है। उसने खुलेआम नेहा जैसा हश्र करने की धमकी दी थी, फिर भी पुलिस ने कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया।

बुधवार को हुब्बल्ली में गिरीश द्वारा चाकू मारकर हत्या कर दी गई अंजलि अंबिगेरा के रिश्तेदार शव को देख रहे थे।

सरकार की ढीली नीति की वजह से हत्या संभव : प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि हुब्बल्ली में एक और युवती की हत्या राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का उदाहरण है। एक युवक ने एक युवती की इसलिए चाकू मारकर हत्या कर दी क्योंकि उसने प्यार से इनकार कर दिया था। मंत्री जोशी ने आक्रोश जताया है कि इन सबका कारण सरकार का ढीला रुख है। हुब्बल्ली में एक असंतुष्ट प्रेमी ने अंजलि नाम की एक युवती की चाकू मारकर हत्या कर दी और इसका कारण नेहा के मामले में सरकार की लापरवाही थी। मंत्री जोशी ने मांग की है कि राज्य सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि हुब्बल्ली में ऐसे मामले लगातार हो रहे हैं। मंत्री ने अंजलि के परिवार के लिए न्याय की मांग की और भगवान से परिवार को दर्द सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

'सेक्स स्कैंडल'

लेखकों, शिक्षाविदों के समूह ने सिद्दरामैया को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की

गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सरकार इसे गंभीरता से लेगी। उन्होंने कहा, हम उनके पत्र को गंभीरता से लेंगे क्योंकि उन लोगों को समाज की चिंता है...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के साहित्यकारों और शिक्षाविदों के एक समूह ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को पत्र लिखकर हासन से जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है। प्रज्ज्वल 27 अप्रैल को विदेश चले गए।

राज्य सरकार ने यौन शोषण के कई मामलों और प्रज्ज्वल से संबंधित मामलों की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी के सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। इंटरपोल ने प्रज्ज्वल के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया है। प्रज्ज्वल विधायक और पूर्व मंत्री एच डी रेवन्ना के बेटे हैं। रेवन्ना भी छेड़छाड़ और अपहरण के एक मामले में आरोपी हैं। प्रज्ज्वल द्वारा महिलाओं के कथित यौन शोषण की निंदा करते हुए साहित्यकारों, शिक्षाविदों, नाटककारों, गायकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित 107 बुद्धिजीवियों ने सिद्दरामैया को पत्र लिखकर उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा अपराध है कि कई वर्षों से हो रहे 'अपराध को छुपाने'' के लिए यौन शोषण की पीड़िताओं को कथित तौर पर धमकी दी गई और उनका अपहरण कर लिया गया।

समूह ने कहा कि पीड़िताओं को आगे आकर शिकायत दर्ज कराने के लिए एक भयमुक्त माहौल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक दलों के आरोप-प्रत्यारोप पर रोक और एसआईटी जांच को समय-सीमा के भीतर पूरा करने की भी मांग की। पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार इसे गंभीरता से लेगी। उन्होंने कहा, हम उनके पत्र को गंभीरता से लेंगे क्योंकि उन लोगों को समाज की चिंता है। वे अपने आस-पास के मुद्दों पर ध्यान देते हैं।

खेतड़ी खदान हादसे में 14 लोगों को बचाया गया, एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नीम का थाना जिले में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की खेतड़ी स्थति एक खदान में फंसे 15 लोगों में से 14 को बुधवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया जबकि हादसे में कंपनी के एक अधिकारी की मौत हो गयी और उनका शव बरामद कर लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक अनिल पालीवाल ने बताया कि खेतड़ी स्थित हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की कोलिहान खदान में हुए हादसे में फंसे 15 व्यक्तियों में से 14 को एसडीआरएफ तथा कंपनी की बचाव टीम ने बचाव अभियान चला सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे का शव बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार रात आठ बजे कोलकाता से आए दल द्वारा निरीक्षण के दौरान खदान की लिफ्ट की केबल टूटने से ये 15 लोग करीब 1500 फीट की गहराई में फंस गए थे। एसडीआरएफ तथा कॉपर लिमिटेड की रेस्क्यू टीम ने रात लगभग तीन बजे संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया।

टीम कमांडर रवि वर्मा नौ जवानों तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की रेस्क्यू टीम को लेकर दूसरी लिफ्ट एवं रेस्क्यू रोप की सहायता से घायलों तक पहुंचे। सबसे पहले गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार देकर ट्राली की सहायता से माइनस 72 मीटर के लेवल से जीरो मीटर लेवल तक लेकर आए। उसके बाद पुली एवं रेस्क्यू रोप से घायलों को इंप्रोवाइज्ड स्ट्रेचर की मदद से प्लस 64 मीटर लेवल बेस तक बाहर निकाला गया।

इन्हें आगे खदान के वाहनों से 400 मीटर बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया। सबसे पहले बचाव टीमों ने तीन गंभीर घायलों को बाहर निकाला।

उसके बाद पांच व्यक्तियों को और अंत में सभी सात व्यक्तियों को बाहर निकाल कर अस्पताल भिजवाया। साथ ही मुख्य सतर्कता अधकिारी उपेंद्र कुमार पांडे के शव को बाहर निकाला गया। इस ऑपरेशन में बचाव टीम ने केसीसी इकाई प्रमुख जीडी गुप्ता, कोलिहान खदान उप महाप्रबंधक एके शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत विनोद सिंह शेखावत, सहायक उप महाप्रबंधक मैकेनिक एके बेरा, मुख्य प्रबंधक खदान अर्णय भंडारी, सहायक उप महाप्रबंधक यशोराज मीणा, सहायक उप महाप्रबंधक विजिलेंस वनेन्दू भंडारी, फोटोग्राफर विकास पारीक, वरिष्ठ प्रबंधक (अनुसंधान) निरंजन साहू, सुरक्षा अधिकारी करण सिंह, प्रबंधक प्रीतम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक खदान रमेश नारायण सिंह एवं कर्मचारी हरसी राम तथा भागीरथ को सकुशल बचाने में सफलता हासिल की है। हादसे में इनमें से कई लोगों को चोटें आई हैं। आठ लोगों को जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस की वयोवृद्ध नेता एवं पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल का बुधवार को दोपहर बाद निधन हो गया। वे जयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थीं। यह खबर सुनते ही परिवार के सभी सदस्य और कांग्रेस नेता अस्पताल पहुंचे हैं। उनके निधन पर सभी लोगों ने दुख जताते हुए कहा कि राजस्थान की राजनीति में उनका अहम योगदान रहा है।

राजस्थान की सबसे वयोवृद्ध राजनेता कमला बेनीवाल पहली विधानसभा की सदस्य रहीं और सात बार विधायक चुनी गईं। वे शाहपुरा से विधायक रहीं। श्रीमती बेनीवाल सरकार में उपमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री और गुजरात की राज्यपाल रहीं थीं।

यशोदा देवी के बाद कमलाजी विधानसभा में पहुंचने वाली राजस्थान की दूसरी महिला थीं। वे जून 1954 में आमेर-ए से उपचुनाव में जीतकर विधायक बनीं और उस समय मोहनलाल सुखाडिया के पहले मंत्रिमंडल में उपमंत्री बनीं।

कमला बेनीवाल की उम्र 92 साल से अधिक थीं। आयु ने शरीर को तो अपनी सीमा में बांध लिया है लेकिन ममता को नहीं बांध पाईं। उनका लंबा राजनीतिक जीवन रहा है और ऐसे में लोग स्वाभाविक रूप से उनसे मिलने, आशीर्वाद लेने आते थे। उनके बेटे आलोक बेनीवाल भी शाहपुरा से विधायक रहे हैं।

पुष्पांजलि

जयपुर में गुरुवार को पूर्व उपराष्ट्रपति व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उनके स्मृति स्थल पर पुष्प अर्पित कर सादर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरपत सिंह राजवी, हवामहल से विधायक बालमुकंदाचार्य, भाजपा नेता अभिमन्यु सिंह राजवी एवं प्रदेश भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक उपस्थित रहे।

रेलवे के यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से अब किसी भी स्थान से टिकट बुक करवाने की सुविधा : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेलवे ने अपने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप में बड़ा बदलाव किया है जिससे अब इससे किसी भी स्थान से टिकट बुक करवाई जा सकेगी। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि रेलवे ने साधारण श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को आसान टिकट सुविधा प्रदान करने के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप में अहम बदलाव किया है। इसके तहत इस ऐप के माध्यम से टिकट बुक करने की दूरी की सीमा को समाप्त कर दिया गया है जिसके चलते अब जनरल टिकट किसी भी स्थान से बुक किए जा सकते हैं। यूटीएस (अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली) मोबाइल ऐप के जरिये कोई यात्री अनारक्षित टिकट बुक करा सकता है।

उन्होंने कहा कि ऐप में अब जनरल टिकट बुक करवाने की दूरी सीमा को समाप्त कर दिया गया है। यह सुविधा शुरू होने से अब यात्री जनरल टिकट किसी भी स्थान से बुक करवा सकते हैं। एक बयान के अनुसार इससे पहले यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से जनरल टिकट बुक करने की अधिकतम दूरी सीमा 20 किलोमीटर थी अर्थात कोई भी यात्री स्टेशन के प्लेटफार्म से 20 किलोमीटर से अधिक दूरी होने पर टिकट बुक नहीं करवा सकता था। अब दूरी सीमा को समाप्त करने से जनरल टिकट कहीं से भी ऑनलाइन बुक हो सकता है।

हालांकि ऐप में जियो फेसिंग की न्यूनतम दूरी में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है जिसके तहत यात्री प्लेटफार्म और ट्रेन के अन्दर से ऑनलाइन जनरल टिकट बुक नहीं करवा सकता है। इसके अनुसार यूटीएस ऑन मोबाइल एप सुविधा के माध्यम से यात्री को आसान इंटरफेस मिलता है जिसका उपयोग कर मोबाइल पर पेपरलेस जनरल टिकट/प्लेटफॉर्म टिकट/सीजन टिकट आसानी से यात्री स्वयं ही बना सकते है।

दिव्या मदेरणा ने एसपी धर्मेंद्र यादव पर लगाया फर्जी एनकाउंटर का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर के ओसियां की पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वो लागतार सोशल मीडिया पर अपने हैंडल से उन पर हमला बोल रही हैं। दिव्या ने आरोप लगाया कि उनकी कार्यशैली की वजह से जिले में कांग्रेस की सीटें नहीं आईं थीं। आज चुनाव हो जाए तो भाजपा की भी नहीं आएगी। पूर्व विधायक ने लिखा कि यह वीडियो भी जोधपुर ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशों से बना है और ऐसे अनेकों वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। पैर तोड़ना, पैर पर गोली मारना, इनके निर्देश से एक फर्जी एनकाउंटर भी हुआ जो अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर बायतू निवासी ओमाराम जाट का किया था।

फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट

मंत्री खींवसर को जांच कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में फर्जी एनओसी व ऑर्गन ट्रांसप्लांट ह्यूमन ऑर्गन एक्ट के खिलाफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में चिकित्सा शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त इकबाल खान ने चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को सौंप दी है। सरकार अब रिपोर्ट के आधार पर दोषियों और लापरवाह जिम्मेदारों पर बड़ा कानूनी एक्शन लेने के मूड में है। वहीं पुख्ता सिस्टम बनाने के लिए सिफारिशों को लागू करने की कार्ययोजना बन सकती है। रिपोर्ट में फर्जी एनओसी से हुए ऑर्गन ट्रांसप्लांट में हुई अनियमितताओं, प्राप्त रिकॉर्ड से अवैध ट्रांसप्लांट के मामलों का ब्यौरा, ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए बनी कमेटियों की कब बैठकें हुई और उसमें क्या लापरवाही बरती गई, कमेटियों को तीन से घटाकर दो क्यों किया गया, बिना नियम चेयरमैन पद पर एसएमएस अस्पताल के प्रिंसिपल के अलावा अन्य क्यों लगे रहे, स्टेट ऑर्गन और टिश्यू ऑर्गेनाइजेशन यानी सोटों में मॉनिटरिंग में क्या कमी रहीं, एनओसी जारी बिना नियम अवैध रूप से कैसे होती रही, अस्पताल बेस्ड एडवाइजरी कमेटी में क्या कमियां रहीं, उसकी मॉनिटरिंग में क्या खामियां रहीं, जिम्मेदारों पर क्या-क्या सवाल खड़े हो रहे हैं, केन्द्र की एडवाइजरी के मुताबिक ट्रांसप्लांट की मंजूरी का प्रोसिजर क्यों नहीं अपनाया गया इत्यादि के बारे में पूरा विस्तृत ब्यौरा देगी। आगामी दिनों में अब ऑर्गन ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को ट्रांसप्लांट ऑफ ह्यूमन एक्ट के तहत कैसे मंजूरी दी जाए, उसकी मंजूरी का सिस्टम किस तरह से हाईटेक और रियल टाइम मॉनिटरिंग वाला हो, डोनर रिसीवर के दस्तावेजों के सत्यापन की क्या प्रक्रिया हो, उनका ऑनलाइन यूनिक आईडी कैसे विकसित किया जाए इत्यादि की सुझाव और सिफारिशें भी जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट में चिकित्सा मंत्री के मार्फत सरकार को करेगी। प्रदेश में फर्जी एनओसी व ऑर्गन ट्रांसप्लांट ह्यूमन ऑर्गन एक्ट के खिलाफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में चिकित्सा शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त इकबाल खान ने चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को सौंप दी है।

विश्वविद्यालय कम पानी से अधिक उपज की कृषि तकनीक के लिए कार्य करे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कृषि वैज्ञानिकों को जलवायु परिवर्तन से फसलों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से बचाने की तकनीक विकसित करने और कम पानी में अधिक उपज तकनीक विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा के विकास के साथ कृषि उन्नति के लिए विश्वविद्यालयों में शोध और अनुसंधान की मौलिक दृष्टि के विकास के लिए भी निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल मिश्र बुधवार को कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के षष्ठम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय संस्थानों के साथ साझेदारी करते हुए विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए भी निरंतर कार्य करे। उन्होंने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में कृषि शिक्षा के गुणात्मक विकास और कृषि उद्यमिता के लिए युवाओं को प्रेरित करने पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शिक्षा के अंतर्गत खेती में उन्नत बीजों के विकास के साथ कृषि प्रसंस्करण और कृषि विपणन की कारगर नीतियों से जुड़े पाठ्यक्रमों का समावेश किए जाने की भी आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने संविधान को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि संविधान को बदला नहीं जा सकता। संविधान ने ही हमें अधिकार दिए हैं तो कर्तव्य भी प्रदान किए हैं। उन्होंने सभी को संविधान संस्कृति के लिए कार्य किए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि मूल प्रति में रामायण के आदर्श राम राज्य की कल्पना हैं तो कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गीता के कर्म संदेश का भी प्रसार है। उन्होंने कृषि शिक्षा से जुड़े युवाओं का आह्वान किया कि वे संविधान की संस्कृति से जुड़े। रोजगार पाने वाले बनने की बजाय रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने युवाओं को कृषि उद्यम स्थापित कर दुनियाँ में उभरते भारत की अर्थव्यवस्था को उच्च स्तर पर ले जाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। यह महत्वपूर्ण है कि स्वत्रंता से पूर्व ही कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय अस्तित्व में आ गया था और आज इसने विश्वविद्यालय के रूप में अपनी महती पहचान बना ली है। उन्होंने छात्राओं द्वारा 7 स्वर्ण पदकों में 4 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए जाने पर उनकी सराहना की। उन्होंने युवाओं से भविष्य की अपरिमित संभावनाओ को देखते हुए कृषि के जरिए राष्ट्र विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मडॉ. बलदेव सिंह ढिल्लो ने दीक्षांत उद्बोधन में राजस्थान की जलवायु को ध्यान में रखते हुए जैव प्रौद्योगिकी, नैनों टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कृषि अनुसंधान में समावेश कर कृषि विकास को गति देने पर जोर दिया। कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

विरासत कालीन धरोहर के अस्तित्व को खोती नजर आ रही विश्वप्रसिद्ध जल महलों की नगरी डीग

डीग। हेरिटेज सिटी और रंगीन फव्वारों के लिये विश्वप्रसिद्ध जल महलों की नगरी डीग अपनी विरासत कालीन धरोहर के अस्तित्व को खोती हुई नजर आ रही है। इन दिनों डीग गंदगी के ढेर में तब्दील हो रही है। देश-विदेश से पर्यटक भी गंदगी और दुर्गन्ध की वजह से डीग आने से परहेज कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार लोगों की अनदेखी और लापरवही के चलते डीग शहर में कूड़े कचरे और गंदगी का आलम है।

बतादें कि जल महलों और रियासत काल के किलों की वजह से आकर्षण का केन्द्र व नवनिर्मित जिला डीग इसमें किले के चारों ओर बनी खाई कूड़े - कचरे से अटी पड़ी है। यहां शहर का गंदा पानी कचरे की वजह से सड़ने लगा है। दूसरी ओर नगरपरिषद प्रशासन की ओर से सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। यहां गोवर्धन मोड़ स्थित मोक्षधाम के पास शहर का कचरा डालकर कचरे के ढेर में आग लगा दी जाती है। इतना ही नहीं कचरे के ढेर में लोग मृत पशु आदि डाल जाते हैं जिससे यहां काफ़ी दुर्गन्ध हो रही है। वहीं इस 84 कोस परिक्रमा मार्ग से गुजरने वाले पद यात्रियों सहित स्थानीय नागरिकों और यहां आने वाले पर्यटकों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि न तो जिला प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही नगरपरिषद प्रशासन द्वारा शहर की सफाई की ओर कोई सकारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। इसका खामियाजा आमजन और राहगीरों को ही भुगतना पड़ रहा है। उनका मानना है कि शहर में गंदगी और किलों के चारों ओर भरे पानी में कचरे से आ रही दुर्गन्ध की वजह से भी पर्यटक यहां आने से कतराने लगे हैं।

डीजीपी ने पुलिसकर्मियों को दिया बड़ा आदेश, वर्दी में रील और वीडियो बनाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

जयपुर/दक्षिण भारत । पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री साहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों द्वारा वर्दी में स्वयं के वीडियो, रील और स्टोरी जिनका पुलिस कार्य से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं होता है, उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट या अपलोड करना पुलिस नियमों के खिलाफ है। इससे विभाग की गरिमा और छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

साहू ने राज्य के सभी एसपी, कमांडेंट एवं अन्य पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि भविष्य में किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुलिस कार्य से संबंधित कार्य के अलावा अन्य किसी भी प्रकार के वीडियो, रील, स्टोरी तैयार कर पोस्ट व अपलोड नहीं की जाए।

नियंत्रक अधिकारी इस प्रकार की पोस्ट करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। डीजीपी ने पुलिसकर्मियों से आह्वान किया है कि पुलिस वर्दी हमारी प्रतिबद्धता, समर्पण और जनता के प्रति हमारी जवाबदेही का प्रतीक है। इसका उपयोग करते समय हमें अत्यधिक सावधानी और गंभीरता बरतनी चाहिए। वर्दी में अनुचित सामग्री का प्रसारण न केवल अनुशासनहीनता का प्रतीक है, बल्कि यह जनता के बीच विश्वास को भी कमजोर करता है।

कपड़ों की दुकानों में आग लगने से 50 रुपये लाख का नुकसान

झुंझुनूं। राजस्थान में झुंझुनूं जिले के मलसीसर कस्बे में कपड़ों की दो दुकानों में आग लग गई जिससे करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हो गया है। मलसीसर कस्बे के अर्चना हॉस्पिटल के सामने चौमाल भवन के नीचे दो कपड़े की दुकान है। इन दोनों दुकानों में मंगलवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे धुंआ निकलता हुआ दिखा। रास्ते से गुजर रहे लोगों को दुकान में आग लगने का पता चला। किसी ने दुकानों के मालिक अजय कुमार को सूचना दी। पास ही स्थित कूलर की दुकान भी खाली की गई लेकिन फिर भी कई कूलर जल गए। वहीं दुकान के ऊपर फ्लोर पर एक कमरे में फर्नीचर रखा था। उसे समय रहते निकल लिया। दो दमकल ने करीब तीन घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान पुलिस जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा। आग से करीब 50 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। झुंझुनूं से फायर बिग्रेड की दो गाड़ियां मलसीसर पहुंची।

राम विरोधियों और राष्ट्रविरोधियों को दंडित करने के लिए हैं यह चुनाव : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी (बिहार)/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर बुधवार को करार प्रहार करते हुए कहा कि यह चुनाव उन लोगों को जवादेह ठहराने के लिए है जिन्होंने 'राम' के मूल मूल्यों, राष्ट्रवाद, आरक्षण, सनातन धर्म और संविधान का विरोध किया और देश को 'विकसित भारत' बनाने के केंद्र के मिशन में बाधा डाली। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सहित विपक्षी नेताओं पर युवाओं को रोजगार देने के नाम पर मतदताओं को भ्रमित करने का आरोप लगाया।

शिवहर लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार लवली आनंद के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, वे गरीबों को नौकरी देने से पहले उनकी जमीन ले लेंगे। अगर कोई गरीबों की भलाई कर सकता है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राजग सरकार है। नड्डा का इशारा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के मनमोहन सिंह सरकार में रेल मंत्री रहने के दौरान कथित तौर पर हुए 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले की ओर था। इस 'घोटाले' की जांच वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। उन्होंने कहा, जब सोनिया गांधी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष थीं तक भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया गया और तत्कालीन सरकार ने अदालत में हलफनामा देकर भगवान राम को काल्पनिक बताया। यह चुनाव उन लोगों को दंडित करने के लिए है जो राम विरोधी, राष्ट्र विरोध, आरक्षण विरोधी, सनातन धर्म विरोधी और संविधान विरोधी हैं।

ममता का घुसपैठ पर नरम रुख, तुष्टीकरण की राजनीति कर रहीं : नड्डा

रघुनाथपुर (प.बंगाल)/भाषा। जे.पी. नड्डा ने आरोप लगाया कि प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घुसपैठ के मुद्दे से समझौता और अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि एक दशक के तृणमूल कांग्रेस शासन में पश्चिम बंगाल से एक के बाद एक 'कांड' सामने आ रहे हैं। पुरुलिया में पार्टी उम्मीदवार ज्योतिरमॉय महतो के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के बिखरे हुए घटक अपनी स्वार्थ प्रेरित इच्छाओं की पूर्ति के लिए केंद्र में 'मजबूर' सरकार बनाना चाहते हैं, पश्चिम बंगाल की जनता ने पहले ही 'मजबूत' सरकार की अपनी मंशा व्यक्त कर दी है।

जनता की आंखों में धूल झोंक कर राजनीति कर रही हैं सपा और कांग्रेस : राजनाथ

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जनता की आंखों में धूल झोंक कर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि ये पार्टियां अवाम को यह कहकर गुमराह कर रही हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगर फिर से सत्ता में आयी तो आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा। सिंह ने मोहनलालगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कौशल किशोर के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए सपा एवं कांग्रेस पर जनता से झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, झूठी अफवाह फैलाई जा रही है। सपा और कांग्रेस के नेता जनता से झूठ बोल रहे हैं कि भाजपा की सरकार आएगी तो आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। सचाई यह है कि आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा।

सिंह ने कहा, मैं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों से कहना चाहता हूं कि जनता जनार्दन होती है। जनता भगवान तुल्य होती है। जनता से झूठ मत बोलो। राजनीति करनी है तो सच बोलकर राजनीति करो। जनता की आंखों में धूल झोंक कर राजनीति करना चाहते हो। उन्होंने जनता से कहा, इस बार दलगत भावना से ऊपर उठकर हम लोगों के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए खड़े होइए और कमल के फूल पर बटन दबाकर भारी मतों से विजय दिलाइए।।

रक्षा मंत्री ने सपा, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के चुनाव चिह्नों की तरफ इशारा करते हुए कहा, पहले बार-बार हम लोग कहते थे कि लक्ष्मी जी ना तो कभी साइकिल (सपा का चुनाव निशान) पर चलते हुए घर में आती हैं, ना घर में कभी हाथ (कांग्रेस का चुनाव निशान) हिलाते हुए आती हैं और ना ही लक्ष्मी जी घर में कभी हाथी पर बैठकर आती हैं। लक्ष्मी जब भी घर पर आती है कमल के फूल (भाजपा का चुनाव निशान) पर ही बैठ कर आती हैं। उन्होंने कहा, आज समाजवादी पार्टी की हालत यह हो गई है कि उसकी साइकिल की चेन अब उतर गई है। इतनी बुरी तरह उतरी है कि अब यह चढ़ने वाली नहीं है। कांग्रेस की हालत दिनोंदिन खराब होती जा रही है। मुझे कभी-कभी चिंता इस बात की होती है कि देश की इतनी बड़ी पुरानी पार्टी को हो क्या गया है। मुझे लगता है कि 10 साल के बाद आप यदि किसी बच्चे से पूछेंगे कांग्रेस के बारे में तो वह कहेगा कि कौन कांग्रेस।

भाजपा ने प्रधानमंत्री के बारे में कांग्रेस का आरोप नकारा, दावा किया : मोदी सबके लिए करते हैं काम

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने बुधवार को हिन्दू-मुसलमान की राजनीति ना करने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस टिप्पणी का सोमवार को यह कहते हुए बचाव किया कि उन्होंने बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए काम किया है। चुनाव प्रचार में कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा मोदी पर सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाए जाने के बीच प्रधानमंत्री ने मंगलवार को न्यूज18 से कहा था कि अगर वह 'हिंदू-मुस्लिम' करते हैं तो वह सार्वजनिक जीवन के लिए उपयुक्त नहीं होंगे। हालांकि, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'निवर्तमान प्रधानमंत्री' का हिंदू-मुस्लिम राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं है क्योंकि 'मोदी की गारंटी' का उनका अभियान औंधे मुंह गिर गया है और '400 पार' के दावे की हवा निकल गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मोदी ने अपने समावेशी शासन से सांप्रदायिक तुष्टीकरण को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी कई कल्याणकारी योजनाओं ने बिना किसी जाति, धर्म या क्षेत्रीय पूर्वाग्रह के सबसे गरीब लोगों को लाभान्वित किया है। भाजपा नेता ने कहा कि मोदी के आलोचक भी इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि उनकी योजनाओं से सभी को फायदा हुआ है। भाजपा प्रवक्ता आर पी सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने मुसलमानों के लिए आरक्षण और पर्सनल लॉ को मजबूत करने के पक्ष में बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में पर्सनल लॉ को मजबूत करने का वादा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया गया कि इसका मतलब शरिया के कुछ हिस्सों को लागू करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद मुसलमानों के लिए आरक्षण के पक्षधर हैं। सिंह ने कहा, भाजपा का एजेंडा देश की उन्नति के लिए है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणापत्र स्वास्थ्य बीमा, आवास, जल एवं बिजली सुविधाओं का विस्तार करने और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए है जो समाज के सभी वर्गों के लिए है।

प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह बात झूठ है कि वह हिंदू- मुस्लिम की राजनीति नहीं करते। उन्होंने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री के पास हिंदू-मुस्लिम की राजनीति को छोड़कर कोई एजेंडा नहीं था। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, सारा देश भलीभांति जानता है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री आदतन झूठ बोलते हैं और दो तरह की बातें उनकी प्रवृत्ति है।

तेजस्वी घबराहट में आधारहीन बयान दे रहे हैं : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ''घबराहट में आधारहीन बयान दे रहे हैं''।

एक दिन पहले राजद नेता तेजस्वी द्वारा की गई टिप्पणी कि उन्हें 'चाचा'नीतीश कुमार का 'पूरा समर्थन' मिल रहा है, के बाद गिरिराज सिंह का यह बयान आया है।

भाजपा नेता ने कहा, लोकसभा चुनाव के चार चरण के मतदान के बाद 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं को अहसास हो गया है कि उन्हें शर्मनाक हार मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) देश में 400 से अधिक और बिहार की सभी 40 सीट पर जीत दर्ज करेगा। राजद नेता (तेजस्वी यादव) अब घबरा गए हैं। वह केवल 'घबराहट' में आधारहीन बयान दे रहे हैं।

बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से दोबारा किस्मत आजमा रहे भाजपा नेता ने यह टिप्पणी तब की जब संवाददाताओं ने पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के उस दावे के बारे में पूछा कि ''चाचा'' नीतीश कुमार का उन्हें 'पूरा समर्थन'मिल रहा है।

यादव ने मंगलवार को दावा किया था कि इस समय भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे जनता दल-यूनाइटेड(जदयू) के अध्यक्ष एवं 'चाचा' नीतीश कुमार का समर्थन उन्हें केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी को हराने के लिए मिल रहा है। उन्होंने कहा था, चाचा का संभवत: भाजपा ने अपहरण कर लिया है लेकिन उन्होंने मुझे उन लोगों को सत्ता से बाहर करने का महत्व सिखाया जिनकी सत्ता 2014 में आई थी। भीतर से, उनकी यह भावना बरकरार है।

नवीन पटनायक ने ओडिशा को 50 साल पीछे धकेल दिया : शाह

सोरोदा (ओडिशा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा में मतदाताओं से भाजपा को सरकार बनाने के लिए एक मौका देने का आग्रह करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बीजू जनता दल (बीजद) के 25 वर्ष के शासन के दौरान राज्य को 50 साल पीछे धकेल दिया है। गंजाम में अस्का लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत सोरोदा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि राज्य को निर्वाचित प्रतिनिधियों के बजाय ''बाहरी लोगों'' द्वारा चलाया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया भर में ओडिशा की प्रतिष्ठा बढ़ाई है...हालांकि, बीजद के 25 वर्ष के शासन में नवीन बाबू ने राज्य को 50 साल पीछे धकेल दिया।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में सत्ता में आती है तो वह ओडिशा में 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना लागू करेगी। शाह ने कहा, ओडिशा में सरकार बनने के छह दिन के भीतर हम पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की गायब चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने भारत में आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया।

बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाने वालों की जब्त होनी चाहिए जमानत : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महोबा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार ने सबसे अधिक बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है और इस क्षेत्र को नोएडा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिसके बाद यहां के नौजवान पलायन नहीं करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया से लोग यहां नौकरी और रोजगार के लिए आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा को निशाने पर लेते हुए कहा, पिछली सरकारों में बुंदेलखंड क्षेत्र में माफिया और डकैत पैदा किए गए थे। बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया गया, ऐसे लोगों की जमानत जब्त होनी चाहिए। योगी बुधवार को यहां डाक बंगला मैदान में हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के लिए जनता से वोट देने की अपील की। उन्होंने आल्हा-उदल और वीर चंदेलों की भूमि को नमन करते हुए कहा कि उनके लिए महोबा उनकी अपनी भूमि लगती है। बाबा गोरखनाथ ने यहीं गोरखगिरी में तपस्या की थी और आल्हा उदल को यहीं अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा, बुंदेलखंड के साथ पिछली सरकारों ने बहुत अन्याय किया था। यह क्षेत्र प्रचूर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, यहां नदी, नाले, खनन और पर्यटन की संभावना है। सपा सरकार ने यहां माफिया और डकैत पैदा करके जनता का शोषण किया।

'कुछ नहीं करने और धर्म के नाम पर वोट मांगने' के लिए प्रियंका ने भाजपा पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका वाद्रा ने बुधवार को कहा कि पिछले दशक की राजनीति ''जवाबदेही की नहीं'' थी। उन्होंने इसके साथ ही ''कुछ नहीं करने और धर्म के नाम पर वोट मांगने'' के लिए भाजपा पर हमला बोला। प्रियंका ने कहा कि पिछले 10 साल में जो राजनीति हुई है, उसकी कोई जवाबदेही नहीं है, क्योंकि ये धर्म पर आधारित राजनीति है।

रायबरेली लोकसभा सीट से उम्मीदवार राहुल गांधी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि भाजपा के नेताओं को अहसास हो गया है कि वे धर्म के नाम पर आपको धोखा देकर, भगवान के नाम पर आपसे भाजपा को वोट देने का वादा लेकर सत्ता में आ सकते हैं। उन्होंने कहा, देश में जिस राजनीति का बोलबाला है, उसके नेता नरेन्द्र मोदी से लेकर यहां के उम्मीदवार तक सब सोचते हैं कि जनता के लिए काम करने की जरूरत नहीं है और वोट के वक्त धर्म के नाम पर ध्यान भटकाते हैं या लोगों को धमकाते हैं। उन्होंने कहा, देश में दो तरह की राजनीति हो रही है। एक है सच्चाई, मतदाताओं के प्रति समर्पण और उनके लिए काम करने की इच्छाशक्ति और दूसरी है भाजपा की राजनीति जिसमें वे आपकी भावनाओं का इस्तेमाल करते हैं, वोट लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रायबरेली में भाजपा उम्मीदवार वोट के लिए ग्राम प्रधानों को धमकी दे रहे हैं।

भाजपा को 400 से ज्यादा सीटें मिलीं तो पीओके को भारत में मिला लिया जाएगा : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़/गिरिडीह/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 400 से ज्यादा सीटें मिलती हैं तो पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में मिला लिया जाएगा।

झारखंड के रामगढ़ जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए भाजपा को 400 से ज्यादा सीटें हासिल करने की जरूरत है। शर्मा ने कहा, यदि भाजपा को 400 से ज्यादा सीटें मिलीं तो पीओके को भारत में मिला लिया जाएगा। उन्होंने कहा, भाजपा को 'श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर' और 'ज्ञानवापी मंदिर' बनाने तथा देशभर में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए 400 से अधिक सीटों की आवश्यकता है। ठीक उसी तरह जैसे उसने 2019 में 300 से अधिक सीटें जीतने पर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाया था। साथ ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लागू किया। शर्मा ने आरोप लगाया, असम की तरह बांग्लादेश से आये घुसपैठिए झारखंड की जनसांख्यिकी बदल रहे हैं, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस उनके तुष्टीकरण में लगे हैं।

उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों ने असम के 12 जिलों में जमीन पर कब्जा कर लिया है और झारखंड में उन्होंने स्थानीय आदिवासी महिलाओं से शादी करके इसकी शुरुआत कर दी है। उन्होंने दावा किया, अगर ऐसा ही होता रहा तो वे झारखंड की जनसांख्यिकी भी बदल देंगे। भाजपा नेता ने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि 'घुसपैठिए' मूल निवासी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजद सरकार का पहला आदेश मुफ्त बिजली देने का होगा : पांडियन

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वी.के. पांडियन ने बुधवार को दावा किया कि पटनायक नौ जून को छठी बार शपथ लेंगे और उनका पहला आदेश ओडिशा की 90 प्रतिशत आबादी को मुफ्त बिजली आपूर्ति करना होगा।

देवगढ़ जिले की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ अपनी बातचीत का एक संक्षिप्त वीडियो साझा करते हुए, पांडियन ने कहा, महाप्रभु (भगवान जगन्नाथ) और आप (लोगों) के आशीर्वाद से, हमारे पसंदीदा मुख्यमंत्री नवीन बाबू नौ जून को एक बार फिर शपथ लेंगे और उनका पहला आदेश ओडिशा की 90 प्रतिशत आबादी के लिए मुफ्त बिजली आपूर्ति और सरकारी कर्मचारियों समेत सभी के लिए बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) का विस्तार करना होगा। पांडियन के ऐसा कहने के बाद, पटनायक ने आगे कहा, नवीन पटनायक की बिजली गारंटी और शंख चिन्ह की गारंटी।

निर्वाचन आयोग मोदी के निर्देश पर काम कर रहा है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के तहत काम करने वाली कठपुतली करार दिया।

हुगली जिले के चिनसुराह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने दो महीने की अवधि में चुनाव निर्धारित करने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की और आरोप लगाया कि अत्यधिक गर्मी के कारण आम लोगों को होने वाली कठिनाइयों की अनदेखी करते हुए भाजपा के पक्ष में यह फैसला लिया। बनर्जी ने कहा, निर्वाचन आयोग एक कठपुतली है और मोदी के निर्देशों के अनुसार काम करता है। ढाई महीने से मतदान हो रहा है, क्या आपको (निर्वाचन अधिकारियों को) कभी आम लोगों की परेशानियों का एहसास हुआ है। हुगली से पार्टी की उम्मीदवार अभिनेत्री रचना बनर्जी के साथ मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी पर चुनाव के दौरान 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को दायरे में लाने के लिए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करने की योजना की कथित रूप से घोषणा करके आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

भाजपा संविधान को 'नष्ट' करना और आरक्षण को खत्म करना चाहती है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोलांगीर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान को 'नष्ट' करने के साथ ही आदिवासियों, दलितों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों को दिए गए आरक्षण को खत्म करना चाहती है।

ओडिशा के बोलांगीर में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने आशंका जतायी कि अगर भाजपा यह चुनाव जीतती है तो वह सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर देगी और देश को 22 अरबपति चलाएंगे। कांग्रेस ने हाथ में पकड़ी हुई भारत के संविधान की प्रति की ओर इशारा करते हुए कहा, भाजपा इस किताब को फाड़ना चाहती है लेकिन हम और भारत के लोग उन्हें इसकी इजाजत नहीं देंगे। राहुल ने कहा कि जो भी अब तक देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, किसानों और मजदूरों को मिला है वह संविधान की देन है। राहुल ने आशंका जताते हुए कहा, अगर भाजपा जीतती है तो आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा, सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर दिया जाएगा और देश को 22 अरबपति चलाएंगे। इसलिए आम लोगों की सरकार बननी चाहिए।

राहुल ने दावा किया कि 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का ऋण भाजपा नीत सरकार में माफ कर दिया गया और यह राशि 24 वर्षों के मनरेगा योजना के भत्ते के बराबर है। उन्होंने दावा किया, उन्होंने आम जनता को कुछ नहीं दिया। उन्होंने किसानों और विद्यार्थियों का ऋण माफ नहीं किया। ऋण तो छोड़िये उन्होंने तो छोटे व्यापारियों को ऋण तक नहीं दिया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देश की आम जनता से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के जरिये वसूली गई रकम सिर्फ दो से तीन लोगों के पास जा रही है। राहुल ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह जातिगत जनगणना कराएगी और दलितों, आदिवासियों तथा पिछड़े वर्ग को उचित आरक्षण प्रदान करेगी।

जोशना, अभय और वेलावन ने राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैम्पियनशिप में अपने वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। यह प्रतियोगिता 17 साल बाद शुरू की गई है। राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अभय ने वेलावन के साथ मिलकर राहुल बैठा और सूरज चंद को 2-0 (11-4, 11-8) से मात दी।

फिर 25 साल के इस खिलाड़ी ने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल वर्ग का भी स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। अभय और जोशना ने हरिंदर पाल सिंह संधू और रथिका सीलन की जोड़ी को 2-1 (10-11, 11-2, 11-9 से हराया। पूजा आरती और रथिका ने फिर जैनेट विधि और निरूपमा दुबे की चुनौती से 2-1 से पार पाते हुए महिला युगल स्वर्ण पदक जीता।

इस टूर्नामेंट के विजेता मलेशिया के जोहोर में चार से छह जुलाई तक होने वाली एशियाई स्क्वाश युगल चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सुविचार

वक्त से लड़कर जो अपना नसीब बदल दे, इन्सान वही जो अपनी तकदीर बदल दे, कल क्या होगा कभी ना सोचो यारो, क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रामराज्य की प्रासंगिकता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'रामराज्य' के बारे में जो बयान दिया है, उससे कई भ्रम दूर हो जाने चाहिएं। उन्होंने उचित ही कहा कि 'रामराज्य' का आशय किसी 'थियोक्रेटिक स्टेट' से नहीं है, बल्कि जनसामान्य के अंदर एक जिम्मेदारी की भावना या कर्तव्य बोध का संचार करने से है। दुर्भाग्य की बात है कि भारत में दशकों से 'रामराज्य' और 'राम-मंदिर' के बारे में कई गलत बातें फैलाई गईं। उन लोगों को बहुत बड़ा बुद्धिजीवी माना गया, जो कहते थे- 'राम-मंदिर बन जाने से क्या होगा? क्या इससे लोगों को रोजगार मिल जाएगा? क्या राम-मंदिर से लोगों के घरों में रोटियां पहुंच जाएंगी? क्या मंदिर बन जाने से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार आ जाएगा?' उनका पूरा जोर इस बात पर था कि लोगों की आस्था पर चोट करते हुए खुद को ऐसे पेश करें, गोया उनसे बड़ा ज्ञानी धरती पर न तो कोई आया और न कभी आएगा! सदियों के संघर्ष के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इसके लिए आदेश दिया। अयोध्या स्थित इस मंदिर में भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुए लगभग चार महीने ही हुए हैं। इस अवधि में अब तक करोड़ों लोगों ने वहां जाकर भगवान के दर्शन कर लिए। करोड़ों ही लोग अयोध्या जाने की योजना बना रहे हैं। क्या इससे लोगों को रोजगार नहीं मिला है? क्या लोगों के घरों तक रोटियां नहीं पहुंच रही हैं? क्या इससे अर्थव्यवस्था को ऊर्जा नहीं मिल रही है? भगवान श्रीराम भारत की आत्मा हैं। अगर उनकी उपेक्षा करेंगे तो सबकुछ निष्प्राण हो जाएगा। भारतीय समाज को पश्चिमी चश्मे से देखते हुए यहां 'आयातित' सामाजिक और आर्थिक सिद्धांत हूबहू लागू करेंगे तो कई गंभीर समस्याएं पैदा होंगी।

भगवान श्रीराम के अयोध्या स्थित मंदिर में विधिपूर्वक विराजमान होने के बाद हमें 'रामराज्य' की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमने 23 जनवरी के अंक में यहीं लिखा था कि अब 'रामराज्य' आए। लेकिन कैसे? कई लोगों के मन में यह गलत धारणा है कि 'रामराज्य किसी एक समुदाय के हितों की बात करता है, जिसमें सामाजिक-वैज्ञानिक प्रगति के लिए कोई जगह नहीं हो सकती!' जबकि प्रभु श्रीराम ने लोककल्याण पर बहुत ज्यादा जोर दिया था, जिसमें सभी समुदायों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की गई थी। रामचरितमानस में ऐसे अनेक प्रसंग मिलते हैं, जिनसे पता चलता है कि श्रीराम ने तत्कालीन समाज में व्याप्त कई तरह के भेदभाव व कुरीतियों को हटाते हुए समानता की स्थापना का पक्ष लिया था। उन्होंने माता शबरी के बेर खाकर उन्हें भी अमर कर दिया! हमने इतिहास के एक कालखंड में भगवान के उन आदर्शों को भूलने का अपराध किया, जिससे समाज कमजोर हुआ और कई तरह की समस्याएं पैदा हुईं। कालांतर में विदेशी आक्रांता यहां आए। उन्होंने हमारी कमजोरियों का फायदा उठाया। आज जब 'रामराज्य' की स्थापना की बात की जाती है तो इसका एक अर्थ यह भी है कि उसमें सामाजिक समानता पर विशेष जोर रहेगा। पंथ, जाति, भाषा, प्रांत आदि के नाम पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। आज रामराज्य का संकल्प लिया जाता है तो इसका अर्थ है- जनता का हर दृष्टि से कल्याण सुनिश्चित करना। सरकारी तंत्र में किसी तरह की सुस्ती और विकार के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हर हाथ को काम मिलना चाहिए। हर पेट को स्वाभिमान के साथ रोटी मिलनी चाहिए। रामराज्य का अर्थ यह भी है कि देश में गुप्तचर व्यवस्था सुदृढ़ होनी चाहिए। जमाखोरी, कालाबाजारी, रिश्वतखोरी, नकली मुद्रा के प्रसार, अपराध, कट्टरपंथ और आतंकवाद फैलाने वाले तत्त्वों से खूब सख्ती के साथ निपटा जाए। न्याय समय पर मिलना चाहिए। उससे जनसामान्य का विश्वास और मजबूत होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

वर्ष 2014 से पहले एक पंचायत में आवास योजना के तहत सिर्फ 2 घर आते थे, जबकि मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस 4 करोड़ घरों का निर्माण हुआ है।एक-एक पंचायत में करीब 40 घर बने हैं।

-जेपी नड्डा

गुजरात की पूर्व राज्यपाल व राजस्थान की पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. कमला बेनीवाल जी का निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है।प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

एक गलतफहमी फैलाई जा रही थी कि जम्मू-कश्मीर में ये सारा विकास भाजपा अपने पैर पसारने के लिए कर रही है। हां, मैं स्वीकार करता हूं कि अभी हमारा संगठन वहां मजबूत नहीं है, अभी हम अपना संगठन बढ़ा रहे हैं और जब हमारा संगठन ठीक-ठाक हो जाएगा।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

सरलता का जीवन

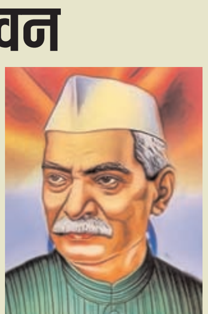

बात सन 1935 की है। राजेन्द्र बाबू कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे। उन्हें किसी काम से प्रयाग से निकलने वाले अंग्रेजी लीडर के संपादक चिंतामणि से मिलना था। चपरासी को कार्ड दिया। वह संपादक की मेज पर रखकर लौट आया और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। राजेन्द्र बाबू के कपड़े वर्षा से भीग गए थे। समय खाली देखकर वे उधर बैठे मजदूरों की अंगीठी के पास खिसक गए और हाथ सेंकने तथा कपड़े सुखाने लगे। थोड़ी देर में कार्ड पर नजर गई तो संपादक जी हड़बड़ा गए और उनके स्वागत के लिए स्वयं ही दौड़े। पर राजेन्द्र बाबू कहीं नजर न आए। खोज हुई तो वे अंगीठी पर तापते और कपड़े सुखाते पाये गए। चिंतामणि जी ने देरी होने और कार्ड पर ध्यान न जाने के लिए माफी मांगी। हंसते हुए राजेन्द्र बाबू ने कहा, 'इससे क्या हुआ। कपड़े सुखाना भी एक काम था। इस बीच निपट गया तो अच्छा ही हुआ।'

सामयिक

शिवाजी महाराज के शासनकाल की आर्थिक नीतियां

प्रहलाद सबनानी
मोबाइल - 9987949940

आज भी यह माना जाता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे संप्रभु और शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की नींव पड़ी थी। यह साम्राज्य गुप्त, मौर्य, चोल, अहोम एवं विजयनगर साम्राज्य की ही तरह शक्तिशाली, सुसंगठित और सुशासित था। शिवाजी महाराज ने एक महान हिंदवी साम्राज्य की स्थापना कर न केवल हिंदुओं की सुप्त चेतना को जागृत किया था, बल्कि उन्हें संगठित करते हुए विभाजनकारी और दमनकारी इस्लामी शासन को खुली चुनौती भी दी।

इतिहास के किसी भी खंडकाल में भारतीय सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए किए गए समस्त प्रकार के कार्यों में सफलता निश्चित मिलती आई है। ध्यान में आता है कि भारतीय आर्थिक दर्शन भी सनातन संस्कृति के अनुरूप ही रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज भी हमारे वेदों एवं पुराणों में वर्णित नियमों के अनुसार ही अपने राज्य में आर्थिक नीतियों का निर्धारण करते थे। अपनी रियासत के नागरिकों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हो और वे परिवार सहित अपने लिए दो जून की रोटी की व्यवस्था आसानी से कर सकें, इसका विशेष ध्यान आपके शासनकाल में रखा जाता था। उस खंडकाल में नागरिकों के लिए रोजगार हेतु कृषि क्षेत्र ही मुख्य आधार था। कृषि गतिविधियों के साथ साथ पशुपालन कर ग्रामों में निवासरत नागरिक अपने एवं अपने परिवार का भरण पोषण सहज रूप से कर पाते थे एवं अति प्रसन्नचित तथा संतुष्ट रहते थे, हालांकि कालांतर में व्यापार एवं उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाने लगा था।

विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। हमारे प्राचीन वेदों में कर प्रणाली के सम्बंध में यह बताया गया है कि राजा को अत्यधिक कराधान रूपी अत्याचार से विरत रहना चाहिए। कौटिल्य के अनुसार करों की अधिकता से प्रजा में दरिद्रता, लोभ, असंतोष, विराग आदि भाव उपजते हैं। राजा द्वारा, स्मृतियों द्वारा निर्धारित, कर के अतिरिक्त अन्य कर लगाया जाना निछिद्ध था। कर की मात्रा वस्तुओं के मूल्य एवं समय पर निर्भर होती थी। राजा सामान्यतया उपज का छठा भाग ले सकता था। हां आपत्ति के समय अतिरिक्त कर लगाने की केवल एक बार की छूट रहती थी। अनुर्वर भूमि पर भारी कर नहीं लगाया जाता था। कर सदैव करदाता को हल्का लगे, जिसे वह बिना किसी कठिनाई व कर चोरी के चुका सके। जिस प्रकार मधुमक्खी पुष्पों से बिना कष्ट दिए मधु लेती है, उसी प्रकार राजा को प्रजा से बिना कष्ट दिए कर लेना चाहिए। कर प्रणाली के माध्यम से आर्थिक असमानता एवं घाटे की वित्त व्यवस्था पर अंकुश लगाया जाता था। चुंगी को भी कर की श्रेणी में शामिल किया जाता था, जो क्रेताओं एवं विक्रेताओं द्वारा राज्य के बाहर या भीतर ले जाने या लाए जाने वाले सामानों पर लगती थी। राजा के पास राजकोष के लिए तीन साधन थे - उपज पर राजा का भाग, चुंगी एवं दंड। इस प्रकार राजकोष पर प्राचीन ग्रंथों में अत्यंत विस्तृत व व्यावहारिक विमर्श पाया जाता है।

शिवाजी महाराज के राज्य में प्रारम्भिक काल में व्यापार बहुत कम मात्रा में होता था और राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इस राज्य में उस समय चौथ एवं सरदेशमुखी, यह दो प्रकार के कर प्रचलन में थे। नागरिकों को राज्य में सुरक्षा प्रदान करने के एवज में चौथ नामक कर लगाया जाता था। इस प्रकार का कर अन्य रियासतों द्वारा भी अपने नागरिकों से वसूला जाता था, उस खंडकाल में यह एक सामान्य कर था, जिसके अंतर्गत किसानों एवं श्रमिकों को यह आश्वासन दिया जाता था कि राज्य पर किसी भी बाहरी आक्रमण के समय इन नागरिकों को प्रशासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जावेगी।

दूसरी ओर, सरदेशमुखी नामक कर प्रचलन में था। इस कर प्रणाली के अन्तर्गत, राज्य द्वारा जमीन पर अर्जित की गई आय का 10 प्रतिशत हिस्सा कर के रूप में किसानों से वसूल किया जाता था। शिवाजी महाराज ने 1660 के दशक के शुरुआती वर्षों में ही उक्त वर्णित दोनों प्रकार के कर अपने नागरिकों से लेना शुरू कर दिए था। सरदेशमुखी कर वसूल करते समय प्रशासन द्वारा इस बात का ध्यान जरूर रखा जाता था कि जिन किसानों की जमीन कम उपजाऊ है, उनसे कर की वसूली कम दर पर की जाय ताकि इस श्रेणी के किसानों को अपने एवं परिवार के जीवन यापन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। कौन सी जमीन अधिक उपजाऊ एवं कौन सी जमीन कम उपजाऊ है, यह जानने के लिए समय समय पर सर्वेक्षण भी कराए जाते थे और इस सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर ही विभिन्न किसानों के लिए कर की दर निर्धारित की जाती थी। साथ ही कर की अधिकतम राशि भी निर्धारित की जाती थी एवं यह कुल उपज के एक तिहाई से अधिक नहीं रखी जाती थी। सरदेशमुखी मानक कर केवल उपज पर ही लगाया जाता था।

शिवाजी महाराज के राज्य में खेती-बाड़ी ही राजस्व का मुख्य और लगभग इकलौता जरिया था, अतः शिवाजी महाराज का प्रशासन परती जमीन पर खेती करने वालों को उचित रियायतें भी प्रदान करता था। इन किसानों से कम दर पर कर लिया जाता था। कई बार तो पहले चार वर्षों के लिए प्रशासन द्वारा पट्टे पर दी गई जमीन पर किसानों से कोई किराया ही नहीं वसूला जाता था, पांचवें साल में आधा किराया वसूला जाता था और फिर उसके बाद पूरा किराया वसूला जाता था। शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा उस खंडकाल में जारी एक सर्कुलर से यह पता चलता है कि शिवाजी महाराज द्वारा किसानों को आवश्यकता पड़ने पर ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान किया जाता था, ताकि किसान अपने कृषि कार्य को सुचारू रूप से जारी रख सकें। प्रशासन के नियमों के अनुसार किसानों से केवल मूलधन की राशि ही वापिस ली जाती थी और वह भी किश्तों में।

शिवाजी महाराज के शासनकाल में कृषि क्षेत्र पर दबाव कम करने के उद्देश्य से नमक उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया था एवं नमक उद्योग में राज्य ने भी अपना निवेश किया था। इससे किसानों के लिए यह आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत बनकर उभरा था। शिवाजी महाराज के राज्य में प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को बढ़ावा दिए जाने के पूर्व नमक का आयात पुर्तगाली व्यवसाईयों के माध्यम से होता था। राज्य में नमक के आयात को कम करने एवं अपने राज्य में उत्पादित नमक के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुर्तगाल से आयात किए जाने वाले नमक पर प्रशासन ने आयात कर को बढ़ा दिया था ताकि आयातित नमक की कीमत बाजार में अधिक हो जाए एवं राज्य के व्यापारी नमक आयात करने के लिए निरुत्साहित हों तथा स्थानीय नमक उत्पादनकर्ताओं के हित सुरक्षित हो सकें। इस प्रकार, आयात कर का चलन शिवाजी महाराज के शासन काल में ही प्रारम्भ हुआ था।

शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को प्रदान की गई विशेष सुविधाओं के चलते कुछ समय पश्चात तो राज्य से नमक का निर्यात भी होने लगा था जिससे धीरे धीरे पानी के जहाज बनाने का उद्योग भी राज्य में फलने फूलने लगा था। कालांतर में पानी के जहाजों का इस्तेमाल राज्य में नौ सेना के लिए भी किया जाने लगा था। विशेष रूप से अरब सागर को नियंत्रित करने और अपने साम्राज्य के तटीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शिवाजी महाराज ने एक दुर्जेय नौसैनिक बेड़ा बनाया था। इस प्रकार शिवाजी महाराज ने समुद्री सुरक्षा के सामरिक महत्व को बहुत पहिले ही समझ लिया था। आपकी नौसेना ने न केवल कोंकण तट को समुद्री खतरों से बचाया था, बल्कि हिंद महासागर के व्यापार मार्गों में यूरोपीय शक्तियों के प्रभुत्व को भी चुनौती दी थी। इतिहासकार श्री जदुनाथ सरकार अपनी एक पुस्तक में लिखते हैं कि शिवाजी महाराज के राज्य में विभिन्न आकार के लगभग 400 पानी के जहाज थे। हालांकि उस समय के एक अन्य प्रतिवेदन में यह संख्या 160 की बताई गई है। शिवाजी महाराज की नौ सेना ने पुर्तगालियों, डच एवं अंग्रेजों की नौ सेना को निशाना बनाने में सफलता पाई थी। शिवाजी महाराज ने अपने राज्य एवं आज के महाराष्ट्र के पेन, पनवेल और कल्याण क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के उद्योग प्रारम्भ किये थे। इन क्षेत्रों में पानी के जहाज बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध थी। यहां पर निर्मित किए गए पानी के जहाज वजन में हलके होते थे एवं तेज गति से चलते थे। कुछ जहाज तो आकार में बहुत बड़े भी रहते थे, जिन पर आठ तोपें तक लादी जाती थीं। वर्ष 1663 आते आते शिवाजी महाराज के जहाज आज के यमन के शहरों तक जाने लगे थे। बाद के वर्षों में तो व्यापारिक जहाज आज के ईरान एवं ईराक के बसरा शहर तक भी गए थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल में सरल कर प्रणाली के चलते नागरिकों की आर्थिक स्थिति समय के साथ साथ काफी सुदृढ्ढ होती चली गई क्योंकि नागरिकों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का भी अच्छा उपयोग किया जाने लगा था। अधिकतम नागरिक ग्रामों में ही निवास करते थे एवं कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर थे। विभिन्न प्रकार की फसलें उगाकर गाय एवं भेड़ें पालते थे, जानवरों का शिकार करते एवं भेड़ों की ऊन से कपड़े बनते थे। इस खंडकाल में लगभग समस्त ग्रामों में नागरिकों की यही जीवन शैली थी। शिवाजी महाराज के शासनकाल में व्यापार के भी बढ़ावा दिया जा रहा था। मुख्य रूप से कपास, चमड़े से निर्मित उत्पाद एवं मसालों का निर्यात अन्य देशों को किया जाता था। भारत के पश्चिमी तट पर सूरत के बंदरगाह के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यापार किया जाता था। जबकि, सूती एवं रेशमी कपड़ों का घरेलू व्यापार भी किया जाता था।

आज भी यह माना जाता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे संप्रभु और शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की नींव पड़ी थी। यह साम्राज्य गुप्त, मौर्य, चोल, अहोम एवं विजयनगर साम्राज्य की ही तरह शक्तिशाली, सुसंगठित और सुशासित था। शिवाजी महाराज ने एक महान हिंदवी साम्राज्य की स्थापना कर न केवल हिंदुओं की सुप्त चेतना को जागृत किया था, बल्कि उन्हें संगठित करते हुए विभाजनकारी और दमनकारी इस्लामी शासन को खुली चुनौती भी दी। उन्होंने भारतीय अस्मिता, सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित करने और मंदिरों के संरक्षण और निर्माण कार्य पर सर्वाधिक बल दिया। आज शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी इसे एक पर्व के रूप में मनाए जाने का आह्वान किया है तथा संघ की देश भर में फैली शाखाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है।

स्वास्थ्य

डेंगू के जोखिम की न हो अनदेखी

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

डेंगू वैसे तो प्रतिवर्ष खासकर बारिश के मौसम में लोगों पर कहर बनकर टूटता है लेकिन कुछ राज्यों में इसके कारण महामारी जैसे हालात नजर आने लगे हैं और सैंकड़ों लोगों की मौत भी होती है। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। हालांकि डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है।

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है। यह एक खतरनाक बीमारी है, जो ऐडीस मच्छर के काटने से होती है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपता है। ऐडीस मच्छर काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या-क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूडों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।

कैसे हो डेंगू से बचाव?

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। इसीलिए बारिश के मौसम से पहले ही लोगों को इसके बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी हो जाता है क्योंकि उचित सावधानियां और सतर्कता बरतकर ही इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। घर की साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का पनपना रोकें। कुछ अन्य जरूरी बातों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। जैसे, अपने घर में या आसपास पानी जमा न होने दें। जमा पानी के ऐसे स्रोत ही डेंगू मच्छरों की उत्पत्ति के प्रमुख कारक होते हैं। यदि कहीं पानी इकट्ठा हो तो उसमें केरोसीन ऑयल या पैट्रोल डाल दें ताकि वहां मच्छरों का सफाया हो जाए। पानी के बर्तनों, टंकियों इत्यादि को अच्छी प्रकार से ढ़ककर रखें। कूलर में पानी बदलते रहें। यदि कूलर में कुछ दिनों के लिए पानी का इस्तेमाल न कर रहे हों तो इसका पानी निकालकर कपड़े से अच्छी तरह पोंछकर कूलर को सुखा दें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके, बोतल इत्यादि में पानी एकत्रित न होने दें। बेहतर यही होगा कि ऐसे कबाड़ और इस्तेमाल न होने वाले टायर इत्यादि को नष्ट कर दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कहीं भी पानी जमा होकर सड़ न रहा हो। घर के दरवाजों, खिड़कियों तथा रोशनदानों पर जाली लगवाएं ताकि घर में मच्छरों का प्रवेश बाधित किया जा सके। पूरी बाजू के कपड़े पहनें। हाथ-पैरों को अच्छी तरह ढ़ककर रखें। मच्छरों से बचने के लिए मॉस्कीटो रिपेलेंट्स का प्रयोग कर सकते हैं लेकिन सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना मच्छरों से बचाव का सस्ता, सरल, प्रभावी और हानिरहित उपाय है। डेंगू के लक्षण उभरने पर तुरंत योग्य चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

अगर हो जाए डेंगू!

डेंगू हो जाने पर रोगी को हर हाल में पौष्टिक और संतुलित आहार देते रहना बेहद जरूरी है। डेंगू होने पर तुलसी का उपयोग बेहद लाभकरी है। आठ-दस तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10-15 पत्तों को एक गिलास पानी में उबाल लें और जब पानी आधा रह जाए, तब पी लें। नारियल पानी पीएं, जिसमें काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स होते हैं, साथ ही यह मिनरल्स का भी अच्छा स्रोत है, जो शरीर में ब्लड सेल्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को सही रखने में मददगार होता है। इसलिए आंवला, संतरा, मौसमी जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें। बुखार होने पर पैरासिटामोल का इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि बुखार किसी भी हालत में ज्यादा न बढ़ने पाए लेकिन ऐसे मरीजों को एस्प्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दर्दनाशक दवाएं बिल्कुल न दें क्योंकि इनका विपरीत प्रभाव हो सकता है। हां, उल्टियां होने पर रोगी को नसों द्वारा ग्लूकोज चढ़ाना अनिवार्य है। स्थिति थोड़ी भी बिगड़ती देख तुरंत अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समारोह

कान्स फिल्म महोत्सव की जूरी अध्यक्ष ग्रेटा गेरविग और जूरी के अन्य सदस्य कान्स में 77वें कान्स फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह से पहले एक फोटोकॉल पर पोज देते हुए।

अगर आप मुझे एक बार मारेंगे तो मुझसे कई बार मार खाने के लिए तैयार रहें : कंगना रनौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला। मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि वह लड़ाई-झगड़े

नहीं करतीं, लेकिन अगर कोई उन्हें एक बार मारता है तो उसे उनसे कई बार मार खाने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित कंगना ने मंडी लोकसभा सीट के लिए मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस संसदीय क्षेत्र में एक जून को मतदान होगा। कंगना ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उनकी जीत उनके जीवन का ''सबसे बड़ा महत्वपूर्ण मोड़'' होगी। मंडी सीट से अपने प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कंगना ने कहा कि चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए लेकिन अगर वह अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें उसी तरह की भाषा सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा ''मेरे पिछले रिकॉर्ड को देखें, मैं किसी को भी चुनौती दे सकती हूं। यह बात मायने नहीं रखती कि मैंने कितनी लड़ाइयां लड़ीं लेकिन हमेशा सबसे पहले मुझे निशाना बनाया जाता रहा है।''

कंगना ने कहा, ''मैं लड़ाई-झगड़े नहीं करती, लेकिन अगर मुझ पर हमला होता है, तो मैं उनमें से नहीं हूं जो इसे चुपचाप सह ले। अगर आप मुझे एक बार मारते हैं, तो मुझसे कई बार मार खाने के लिए तैयार भी रहें।'' भाजपा द्वारा मंडी से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद से ही कंगना और कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। उनके खिलाफ कुछ ''अपमानजनक'' टिप्पणियां सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के हैंडल से पोस्ट की गईं थीं। सुप्रिया ने बाद में इन टिप्पणियों को यह दावा करते हुए हटा दिया कि वे उनके द्वारा नहीं, बल्कि किसी और के द्वारा पोस्ट की गई थीं, जिनके पास उनके खातों तक पहुंच थी। कंगना ने राहुल गांधी और विक्रमादित्य सिंह को ''बड़ा पप्पू और छोटा पप्पू'' तथा विक्रमादित्य को ''एक नंबर का झूठा और पलटू बाज'' कहा था जिसके बाद वह कांग्रेस नेताओं के निशाने पर आ गई थीं।

प्रदर्शन

गुवाहाटी में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने बुधवार को गुवाहाटी में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सीमावर्ती गांव को सौर ऊर्जा से रोशन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/जम्मू। नियंत्रण रेखा से करीब 600 मीटर दूर, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के डाबी गांव की सड़क को सेना ने सौर ऊर्जा से रोशन कर दिया है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि 'ऑपरेशन सद्भावना' के अंतर्गत यह परियोजना चलाई गई थी जिसे बेहद कम समय में पूरा कर लिया गया है। मेंढर उप-मंडल की बालाकोट तहसील का डाबी गाँव वर्षों से सीमा पार से गोलाबारी के कारण सर्वाधिक प्रभावित गाँवों में से एक है। इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट का अभाव था। अधिकारी ने कहा कि डाबी गांव को सौर ऊर्जा से रोशन करने की सेना की पहल ने 19 घरों और 129 ग्रामीणों तक स्ट्रीट लाइट की रोशनी पहुंचाई है। निवासियों को स्थानीय मस्जिद, मंदिर, स्कूल तथा पशुओं के बाड़ों की ओर जाने वाली सड़क सहित बड़े हिस्से में निर्बाध प्रकाश व्यवस्था मुहैया करा दी गई है।

अधिकारी ने कहा कि रोशनी मिलने से सामुदायिक स्थानों की व्यवस्था करने में भी आसानी होगी।

उन्होंने कहा कि सेना के प्रयासों से परिवारों को रात में कुशलता से काम करने में मदद मिली है। सैन्य नागरिक कार्रवाई के तहत इस परियोजना ने लोगों का उत्साह बढ़ाया है, और गाँव के लिए एक उज्ज्वल और अधिक समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए सेना की प्रशंसा की और कहा कि सौर ऊर्जा ने न केवल उनके गांव को रोशन किया है, बल्कि उनके जीवन को भी रोशन किया है।

लोगों के लिए रात के समय घूमना-फिरना बहुत मुश्किल था, खासकर जब बारिश होती थी। हम गांव को रोशन करने के लिए सेना के बहुत आभारी हैं। अब हमारे लिए प्रार्थना स्थल पर बिना किसी परेशानी के पहुंचना आसान हो गया है।'' उन्होंने कहा कि गांव को अच्छी सड़क व्यवस्था की भी आवश्यकता है क्योंकि कई बार मरीज को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

प्रियंका वाड्रा गैर संजीदा, चुनावों के वक्त दिखाई देने वाली राजनेता : पीयूष गोयल

मुंबई/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को प्रियंका गांधी वाड्रा को 'गैर संजीदा' राजनेता करार देते हुए कहा कि वह पर्यटक की तरह चुनावों के वक्त दिखाई देती हैं और बाद में गायब हो जाती हैं तथा असल भारत को नहीं समझतीं। गोयल ने यह भी कहा कि वह स्वतंत्रता आंदोलन में नेहरू-गांधी परिवार की भूमिका का सम्मान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद 'एक व्यक्ति की निजी महत्वाकांक्षा भारत के लोगों की इच्छा पर हावी हो गई'। भविष्य में प्रियंका गांधी वाड्रा के एक कद्दावर नेता के रूप में उभरने के सवाल पर मुंबई में अपने प्रचार अभियान के दौरान गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुझे नहीं लगता। वे गैर-संजीदा राजनेता हैं।

ऐसा प्रतीत नहीं होता कि वह असल भारत से जुड़ पाई हैं। वे काल्पनिक दुनिया में रहती हैं। वह चुनावों के दौरान नजर आती हैं और उसके बाद गायब हो जाती हैं।''

उन्होंने कहा, ''वह वास्तव में लोगों की सेवा नहीं कर सकतीं।'' नेहरू-गांधी परिवार की शहादत पर प्रियंका गांधी के बयान क्या जनता के बीच प्रभावी हो पाएंगे ? इस सवाल पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने कई स्वतंत्रता सेनानियों के कार्यों को एक परिवार से जोड़ कर रख दिया। गोयल ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के संदर्भ में कहा, ''देखिये, हम भारत के आजादी के संघर्ष में उनके परिवार की भूमिका का सम्मान करते हैं लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उस वक्त कांग्रेस में हर कोई चाहता था कि सरदार पटेल को पार्टी की अगुवाई के लिए चुना जाए।

'मिस्टर एंड मिसेज माही' का गाना 'देखा तेनु' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना 'देखा तेनु' रिलीज हो गया है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का गाना देखा तेनुर रिलीज हो गया है।'देखा तेनु' में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के बीच की शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। यह गाना जयपुर के खूबसूरत इलाकों में फिल्माया गया है, जिसमें फिल्म में दोनों की खूबसूरत शादी के सीक्वेंस के साथ-साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दिखाया गया है।

राजकुमार राव ने कहा, देखा तेनु एक खूबसूरत गाना है, मैं इसे सुनते हुए बड़ा हुआ हूं और मेरे दिल में इसकी एक खास जगह है। यह फिल्म के एक महत्वपूर्ण और मधुर मोड़ पर आता है और मुझे खुशी है कि यह आखिरकार सभी के सुनने के लिए उपलब्ध है।जान्हवी कपूर ने कहा, 90 के दशक में पली-बढ़ी होने के नाते, 'देखा तेनु' मेरे दिल में गहराई से गूंजता है। इसमें एक खूबसूरत प्रस्तुति के साथ एक पुरानी यादें ताज़ा करने वाला आकर्षण है। इस कालातीत रत्न में शामिल होना मेरे लिए एक पूर्ण-चक्र क्षण जैसा लगता है और मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है। यह फिल्म में हमारी प्रेम कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मैं हर किसी के इसे अनुभव करने का इंतज़ार नहीं कर सकती।

निर्देशक शरण शर्मा ने कहा, फिल्म की कथा में 'देखा तेनु' का एक विशेष स्थान है। यह 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की यात्रा को समृद्ध करता है, जो अपनी सुंदरता और भावना से दर्शकों को आकर्षित करता है। गीतकार और संगीतकार जानी ने कहा, यह देखना आश्चर्यजनक है कि लोग 'देखा तेनु' की एक छोटी सी झलक देखने के बाद ही इसे इतना प्यार दे रहे हैं। यह एक ऐसा प्रतिष्ठित छंद है, और हम यह सुनिश्चित करते हुए उस विरासत को जीना चाहते थे कि नया संस्करण भी पुराने संस्करण की तरह ही सुंदर और अनूठा हो। इस गाने को बनाने का सफर रोमांचक रहा है और मुझे सच में विश्वास है कि मोहम्मद फैज़ ने इसे गाकर असाधारण काम किया है। गायक मोहम्मद फैज़ कहा, यह मेरे लिए जीवन में एक बार आने वाला अनुभव रहा है। यह बॉलीवुड में मेरा पहला गाना है और इसे लेकर उत्साह बस अभिभूत करने वाला है। ऐसी खास फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए एक शानदार अवसर है और मैं इसके लिए वास्तव में आभारी हूं। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के लिए इस गाने को तैयार करना और साथ ही जानी के साथ काम करना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है।

मुझे उम्मीद है कि हर कोई इस गाने से जुड़ जाएगा और इसे वही प्यार देगा जो हमें इसे बनाते समय मिला था। जानी द्वारा रचित और लिखित, मोहम्मद फैज़ द्वारा गाया गया, देखा तेनु आदेश श्रीवास्तव द्वारा रचित और समीर अंजान द्वारा लिखित और उदित नारायण द्वारा गाए गए 'से 'शावा शावा' से प्रेरित है।की विरासत को आगे बढ़ाता है। 'देखा तेनु' अब सोनी म्यूजिक इंडिया और सभी म्यूज़िक प्लैटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है।

धोनी का सादगी भरा व्यवहार उनके चरित्र को बताता है : जान्हवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उन्होने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात का अपना एक्सपीरियंस शेयर

किया। जान्हवी ने बुधवार को मल्टीप्लेक्स में मीडिया से बात करते हुए कहा, ''मेरा मानना है कि मैं और यहां मौजूद हर कोई महेंद्र सिंह धोनी सर का बहुत बड़ा फैन है। उनका व्यक्तित्व कुछ ऐसा है कि हर कोई उनकी ओर आकर्षित हो जाता है। कुछ दिन पहले मैं उनके साथ एक फंक्शन में थी, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मुझे लगा कि वह चल नहीं रहे थे, बल्कि उड़ रहे थे।'' उन्होंने आगे बताया कि कैसे धोनी के व्यवहार ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्होंने आगे कहा, ''उन्होंने न सिर्फ लोगों के साथ सेल्फी ली...बल्कि उनके साथ बातचीत भी की। सभी के साथ बेहद सम्मान के साथ व्यवहार किया। लोगों के साथ विनम्र व्यवहार उनके चरित्र और उनके दिल के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह उनका व्यक्तित्व है, जो प्रेरणादायक है।''

शेखर सुमन फिर से लाएंगे टॉक शो मूवर्स एंड शेकर्स

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता शेखर सुमन अपने सुपरहिट शो मूवर्स एंड शेकर्स को फिर से दर्शकों के बीच ला सकते हैं। शेखर सुमन इन दिनो वेबसीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार को लेकर सुखियों में हैं। वेबसीरीज में शेखर सुमन के जुल्फिकार के किरदार को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं । शेखर सुमन को टॉक शो मूवर्स एंड शेकर्स से काफी लोकप्रियता मिली थी। चर्चा है कि शेखर सुमन एक बार फिर यह शो वापस लेकर आ रहे हैं। शेखर सुमन ने बताया कि मूवर्स एंड शेकर्स का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफार्म होगा। उनका लक्ष्य शो को बड़े पैमाने पर वापस लाना है, क्योंकि इसकी खास विरासत है। शेखर

सुमन ने बताया कि वह अपने सुपरहिट हिट सीरियल देख भाई देख को भी दर्शकों के लिये फिर लाना चाहते हैं। देख भाई का निर्माण जया बच्चन ने किया था और इसमें नवीन निश्चल, शेखर सुमन,फरीदा जलाल, भावना बलसावर, देवेन भोजानी, सुषमा सेठ, एनके शिवपुरी, विशाल सिंह, सतीश साह, लिलिपुट,उर्वशी ढोलकिया और नताशा सिंह सहित अन्य ने फेमस कलाकार शामिल थे।

'पुकार - दिल से दिल तक' में, कोयल की भूमिका निभाएंगी अनुष्का मर्चंडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री 'अनुष्का मर्चंडे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के आगामी शो 'पुकार – दिल से दिल तक' में, कोयल की भूमिका निभाएंगी। 'पुकार – दिल से दिल तक' जयपुर के बैकग्राउंड पर आधारित है। यह शो एक मां और उसकी दो बेटियों के जीवन को दर्शाता है, जो एक दुष्ट षडयंत्र के चलते दुखद रूप से अलग हो जाती हैं। जैसा कि किस्मत में लिखा हुआ था, अप्रत्याशित हालातों में सरस्वती, वेदिका और कोयल की राहें अनजाने में पुन: आपस में टकराएंगी, और उन्हें साथ मिलकर उन ताकतों का सामना करना होगा जिनकी वजह से उनका परिवार जुदा हो गया था। अनुष्का मर्चंडे को उत्साही कोयल की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जो एक महत्वाकांक्षी, साहसी और जुगाड़ू लड़की है। एक दुखद घटना के दौरान अपनी जन्मदाता मां और बहन से अलग हो चुकी, कोयल को अपने अतीत के बारे में कुछ नहीं पता है, और एक ठग महिला मयूरी ने उसका पालन-पोषण किया है। अनुष्का मर्चंडे ने इस भूमिका को निभाने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, यह कहानी एक भयावह दुश्मन बर्बाद किए गए, एक परिवार की दिली 'पुकार' को दर्शाता है, जो मुश्किल हालातों के बावजूद फिर से एकजुट होने और एक-दूसरे को खोजने की कोशिश कर रहा है। मेरा किरदार, कोयल, मेरी पिछली भूमिकाओं से बहुत अलग है। दर्शकों ने मुझे हमेशा खुशमिजाज़ लड़की का किरदार निभाते हुए देखा है, लेकिन कोयल के किरदार के साथ, वे मुझे उत्साही, साहसी और मजबूत इरादों वाली छवि में देखेंगे। यह भूमिका काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है, शो में मेरा लुक भी काफी विविधतापूर्ण है, और चूंकि शो जयपुर पर आधारित है, इसलिए दर्शक मुझे बहुत सारे फ्यूज़न परिधानों में देखेंगे।

'मेट्रो... इन दिनों' के सेट से फातिमा सना शेख और अली फजल का फर्स्ट लुक जारी

मुंबई/एजेन्सी

अनुराग बसु की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' के सेट से अली फजल और फातिमा सना शेख का पहला लुक शेयर किया गया है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, अली और फातिमा पहली बार एक साथ नजर आ रहे हैं। उनके बीच सेट पर और सेट के बाहर भी काफी अच्छी दोस्ती है। सूत्र ने कहा, उन्होंने एक साथ दो शेड्यूल पूरे कर लिए हैं और जल्द ही मुंबई में अगले शेड्यूल की शूटिंग करेंगे। फोटो में अली और फातिमा निर्देशक अनुराग के साथ पानी में भीगे हुए नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि उन्होंने बारिश का सीन शूट किया होगा। 'मेट्रो...इन दिनों' की शूटिंग अंतिम चरण में है और यह 29 नवंबर को रिलीज होने वाली है। अनुराग की पिछली हिट 'लाइफ इन ए...मेट्रो' से प्रेरित, 'मेट्रो...इन दिनों' में सारा अली खान, आदित्य रॉय कपूर, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता और अनुपम खेर जैसे कलाकार शामिल हैं।

जैकी श्रॉफ ने अपने नाम के अनधिकृत उपयोग को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने वाणिज्यिक लाभ के लिए कई संस्थाओं द्वारा बिना लाइसेंस के उनके नाम और व्यक्तिगत विशेषता का उपयोग किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अभिनेता की ओर से पेश अधिवक्ता ने उत्पाद की बिक्री, रिंगटोन, वॉलपेपर के साथ-साथ 'अपमानजनक' मीम और कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) के उपयोग के जरिए व्यक्तिगत और प्रचार अधिकारों के दुरुपयोग पर आपत्ति जताई। उन्होंने मराठी में बोल-चाल की भाषा के शब्द 'बिडू' पर उनके ट्रेडमार्क अधिकारों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने मुकदमे पर संस्थाओं को समन जारी किया और आगे की सुनवाई के लिए मामले को बुधवार को सूचीबद्ध किया। श्रॉफ के अधिवक्ता ने कहा कि उत्पादों को खरीदने के लिए

उपभोक्ताओं को गुमराह करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती ताकि उन्हें लगे कि उत्पादों का समर्थन 200 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता द्वारा किया गया है। अधिवक्ता ने कहा, जैकी श्रॉफ काफी लोकप्रिय हैं। लोग सोचेंगे कि उनके द्वारा उत्पाद का समर्थन किया जा रहा। उनके नाम में यह योग्यता है कि किसी भी उत्पाद को बिक्री के लायक बना सके। उनकी सहमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता।

अदालत को अवगत कराया गया कि श्रॉफ के अधिकारों का उल्लंघन करते हुए इंटरनेट पर मग, हस्ताक्षरित पोस्टर, बैग जैसे सामान बेचे जा रहे हैं। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि मीम, छेड़छाड़ करके बनाई गई तस्वीर आदि के रूप में कुछ अपमानजनक और आपत्तिजनक सामग्री भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, सभी उनके नाम, तस्वीर का उपयोग कर रहे हैं और मोटी कमाई कर रहे हैं। यह सब मानहानि करने वाली सामग्री है... उनकी आवाज वाले ऑडियो में अभद्र शब्द हैं। इसमें कुछ भी वैध नहीं है।

अधिवक्ता ने कहा कि कुछ प्रतिवादियों ने अब श्रॉफ की व्यक्तिगत विशेषता का अनधिकृत उपयोग बंद कर दिया है। श्रॉफ के अधिवक्ता ने अपने मामले के समर्थन में अभिनेता अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर द्वारा इसी तरह के मुकदमों में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का जिक्र किया।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

जैनाचार्य हस्तीमल की पुण्यतिथि स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बुधवार को श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में इतिहास मार्तण्ड रत्नवंश के सप्तम पट्टधर जैनाचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा की 33 वीं पुण्यतिथि सामूहिक सामायिक दिवस के रूप मे स्वाध्याय भवन साहूकारपेट चेन्नई मे मनाई गयी। पुण्यतिथि कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आचार्यश्री के 71 वर्षो के निरतिचार संयम साधना व 61 वर्षों तक संघ के कुशलतापूर्वक किये गए संचालन का उल्लेख करते हुए जैन कांफ्रेंस के अंतर्गत अजमेर, सादड़ी, सोजत व भीनासर में सम्पन्न हुए साधु सम्मेलनों मे उनकी भूमिका, सहभागिता, सेवाओं पर प्रकाश किया व सम्पन्न सम्मेलनों मे पारित हुए नियमों, साधु सामाचारी की विस्तृत जानकारी दी। वीरपुत्र व भ्राता आर वीरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि श्रावकों को तत्त्वों की जानकारी आवश्यक हैं।

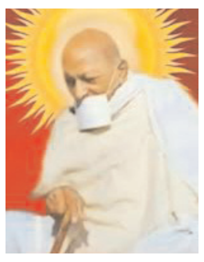

आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड के संयोजक अशोक बाफना ने उनका जीवन सरल व प्रेरणादायी बताया। युवक परिषद के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल ने कहा कि आत्मा मे लीन आचार्यश्री सभी से जुड़े हुए थे पर किसी से बंधे हुए नहीं रहे। स्वाध्यायी नवरतनमल चोरडिया ने उनके अप्रमत्त जीवन पर भाव रखे। स्वाध्याय संघ के पूर्व निर्देशक चम्पालाल बोथरा ने गुरु के उपकारों के संस्मरणों का उल्लेख किया। संघ के पूर्व मन्त्री जवाहरलाल कर्णावट ने महाप्रभावक आचार्य के आठ विशिष्टतापूर्ण गुणों का वर्णन किया।

शाशुन कॉलेज के जैनालोजी विभाग के प्रमुख व जैन शोधकर्ता डा.दिलीप धींग ने आचार्य हस्ती के विद्ववतों के प्रति गुणग्राहिकता भावों पर आदर भाव रखे। श्राविका मण्डल की पूर्व सचिव श्रीमती शशि कांकरिया ने हृदयस्पर्शी स्तुति सुनो कहानी गुरु हस्ती की प्रस्तुत की। वरिष्ठ श्रावक शान्तिलाल चौधरी ने मांगलिक सुनाई। विनोद जैन ने विभिन्न तपस्याओं के प्रत्याख्यान कराए।

इस अवसर पर पेरंबूर, किलपाक, चिन्तादरीपेट, कोंडीतोप, वेपेरी, चूले आदि क्षेत्रों से अनेक श्रदालुओं ने दो-दो सामायिक की साधना की।

सतरंगी उत्सव का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नॉर्थ टाउन के सदस्य सदस्यों द्वारा सतरंगी उत्सव का आयोजन 9 जून को रविवार को बिन्नी नार्थ टाउन के संघ भवनमें होगा। इस आयोजन हेतु बैठक बुधवार को को नार्थ टाउन में रखी गई। चेयरमैन दिलखुश धोका ने सभी का स्वागत किया। सचिव रमेश नाहटा ने सतरंगी उत्सव के बारे में जानकारी दी। चेयरपर्सन ललिता सबदडा ने कहा कि कपड़े, ज्वेलरी, बेग, मेक अप व खाने पीने के स्टाल लगाए जायेंगे। कुछ स्टॉल ही शेष बचे हैं। वीरा सेक्रेटरी शीतल पीपाड़ा ने बताया कि प्रवेश नि:शुल्क होगा व हर घंटे लकी ड्रॉ निकाला जाएगा। सलाहकार ज्ञानचंद कोठारी ने कहा कि इस मेले से जो भी आय होगी वह चैरिटी में उपयोग ली जायेगी। कार्यकारिणी सदस्य महावीर सबदडा, अनिल मेहता, बुधप्रकाश डोशी, ममता कोठारी, अनीता भंसाली आदि ने अपने सुझाव दिए।

'मनमंदिर व मंदिर में विराजित प्रभु का हमेशा याद रखें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर। स्थानीय संभवनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी का आगमन हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि हमारे साथ विडंबना है ये कि हम लोग आनंद की मस्ती की बात करते हैं।

हम संस्कृति और संस्कारों की बात करते हैं। हम और आप देश विदेश की बात करते हैं। हम जमाने भर की बात करते हैं। हम योगी और मोदी की बात करते हैं। मगर हम मंदिर और मन मंदिर में बैठे भगवान की बात नहीं करते है और हमारे अपने घर में बैठे सगे भाई से बात नहीं करते हैं। इससे बड़ी विडंबना की बात हमारी और क्या हो सकती है। इससे पता चलता है कि हम ज्ञान और पत्ते की बातें कम समझते हैं। ये चिंतन धारा का दीपक आपके और हमारे जीवन प्रज्ज्वलित होना चाहिए।

दोड्डनिकुंदी गौशाला में संतश्री केवलमुनि का 30वां पुण्यउत्सव रविवार को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु केवल भक्त परिवार के सदस्य 19 मई को दोड्डनिक्कुंदी गौशाला स्थित केवल आराधना स्थल पर उपाध्यायश्री केवलमुनिजी म सा का 30वां पुण्व उत्सव गुरुदेव श्री गणेशलालजी की शिष्या साध्वीश्री सुशीलाकंवरजी व श्री चैतन्यश्रीजी की निश्रा में तप, जप व सामायिक के साथ मनाया जाएगा। राजेश गुलेच्छा ने बताया कि रविवार को सुबह 8 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शहर के विभिन्न बाजारों से गौशाला जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष के संपूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी मोहनलाल महावीरचन्द राजेशकुमार शंखेश मुथा परिवार वाले हैं। आयोजकों ने सभी गुरु भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

प्रचार

पिटना साहिब से भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद बुधवार को पटना में लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार के दौरान अधिवक्ता से मुलाकात करते हुए।

बातचीत

नई दिल्ली में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करता हुआ।

महिलाएँ सामाजिक व्यवस्था की धुरी होती हैं : प्राची जैन

जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट में जुड़ी महिलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'व्यवसाय परिदृश्य बदल रहा है, साथ ही व्यवसाय करने के पारंपरिक तरीकों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण भी बदल रहा है। महिलाएं व्यवसाय के भविष्य को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। जितना अधिक महिलाएं अपने आत्मविश्वास और क्षमताओं को अपनाएंगी और कांच की छत को तोड़ना जारी रखेंगी, उतना ही अधिक नेतृत्व में वृद्धि देखेंगे। ज़रूरत है तो केवल महिलाओं को सहायता के साथ-साथ प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच तक जाने की। इस बदलाव के लिए सभी के लिए नेटवर्क महत्वपूर्ण हैं।' यह बात टीबॉक्स की सह-संस्थापिका और ब्रांड डायरेक्टर प्राची जैन ने जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा संचालित जेबीएन वी-कनेक्ट की रेफ़रल मीटिंग में कही।

प्राची ने जेबीएन सदस्यों को अपनी कामयाबी के सफ़र के शुरुआती संघर्ष के दौर की कहानी को साझा करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए व्यवसाय में कदम रखना आसान नहीं होता, घर-परिवार पर भी ध्यान केंद्रित रखना होता है। वर्तमान में समस्याएँ भी है, एकल परिवार का होना, बढ़ती महँगाई, दोहरे दायित्व को निभाना, स्वयं के लिए समय का अभाव, अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा न कर पाना आदि। पर याद रखें कि महिलाएँ सामाजिक व्यवस्था की धुरी होती हैं । इन्हीं से देश का निर्माण होता है। इसलिए हर चुनौती को पार करते हुए आगे बढ़े। प्राची ने कई सदस्यों के कार्य की हौंसलाफ़ज़ाई की और कइयों के शंकाओं का समाधान भी दिया।

जेबीएन सदस्य मेहंदी आर्टिस्ट रीतिका जैन ने अपने कार्य की विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि प्राची जैन का परिचय लीला पितलिया ने दिया। मधु जैन को बेस्ट बिज़नेस प्रस्तुति हेतु, रीतिका को अधिक व्यवसाय लाभ एवं सुमन रांका को अधिक रेफ़रल एवं व्यवसाय हेतु पुरस्कृत किया गया। रेफ़रल हेड सुमन रांका ने सभी का स्वागत किया। रेफ़रल उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने धन्यवाद दिया। रेफ़रल मंत्री सीमा शाह ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। जीतो लेडिस विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना, रेश्मा पुनमिया, महामंत्री सुमन वेदमुथा, कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंघवी, सुनीता बोरन्दिया पूर्व रेफ़रल मंत्री तनुज मेहता उपस्थित थे।

जिस घर में कलह और ईर्ष्या नहीं होती, वहां लक्ष्मी का वास होता है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में गतिमान धर्म व संस्कार शिविर में आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी महाराज सा ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी में मन की शांति है तो छोटा सा घर भी स्वर्ग है, लेकिन यदि मन की शांति नहीं है तो सब बेकार है। घर में सब कुछ होने के बाद भी सब बेकार है । राम 14 वर्ष वन में रहे, पर प्रसन्न रहे, रावण महलों में भी परेशान था। आचार्यश्री महाराज ने कहा कि सम्मान के लिए संघर्ष करें, परंतु अधर्म का साथ न दें । अधिकार के लिए जरुर लड़ें, पर जिस पर अधिकार नहीं,उसका मोह न करें । संसार में कोई किसी का नहीं है, सब अपने-अपने स्वार्थ के लिए तुमसे प्यार करते हैं। संसार तभी तक मीठा लगता है, जब तक पत्नी गरम-गरम भोजन परोसती है और पति की हाँ में हाँ करती है। पुत्र तब तक अच्छा लगता है, जब तक आपकी आज्ञा में होता है । बेटी भी तभी तक अच्छी लगती है , जब तक घर-परिवार की इज्जत-सम्मान बना के रखती है। इस बात को हमेशा ध्यान रखना कि जो मिला है, वह हमेशा के लिये नहीं मिला, इन उपलब्धियों पर अकड़ना व्यर्थ है । जिस घर में कलह और ईर्ष्या नहीं होती, वहाँ लक्ष्मी का वास होता है । आचार्य श्री ने पंच परमेष्ठी के मूलगुण और सब की विशेषता बतायी । इस अवसर पर शिविरार्थियों ने जीवन को उन्नत बनाने के लिए अनेक नियम ग्रहण किए ।

पुतिन ने नयी सरकार की नियुक्ति के आदेश पर हस्ताक्षर किए, रक्षा मंत्री का तबादला शामिल

मॉस्को /दक्षिण भारत। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को नयी सरकार की नियुक्ति के आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एक पूर्व उप प्रधानमंत्री को रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। पुतिन का छह साल का नया कार्यकाल सात मई को शुरू हुआ था। तब रूस के कानून के अनुरूप सरकार ने इस्तीफा सौंप दिया था।

पुतिन ने मिखाइल मिशुस्तिन को तीन दिन बाद पुन: प्रधानमंत्री नियुक्त किया जिसे संसद के निचले सदन ने तत्काल अनुमति दे दी।

उन्होंने रविवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत सर्गेई शोइगु को रक्षा मंत्री के पद से हटाकर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का प्रमुख नियुक्त किया गया। पुतिन ने पूर्व उप प्रधानमंत्री आंद्रेई बेलौसोव को नया रक्षा मंत्री भी नियुक्त किया जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं और उनकी कोई सैन्य पृष्ठभूमि नहीं है।

माधवी शर्मा ने किया भरतनाट्यम रंगप्रवेशम

बेंगलूरु। शहर की सुप्रसिद्ध भरतनाटयम प्रतिपादक व नाट्य तरंगा संस्था की निदेशक गुरु समुध्याता भट्ट की शिष्या माधवी शर्मा ने ज ` ए स ए स ऑडिटोरियम में अपना रंगप्रवेशम-अरंगेट्रम प्रस्तुत किया। माधवी के गुरु व तरंग सागर संस्था के संस्थापक निदेशक विद्वान जनार्दन भट्ट अतिथि के रुप में तथा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एन कुमार और बेंगलूरु गायन समाज के अध्यक्ष डॉ. एमआरवी प्रसाद विशेष आमंत्रित सदस्य थे। अपने रंगप्रवेशम में माधवी शर्मा ने राग श्रोतास्विनी में पुष्पांजलि, त्रिश्रा मुखी ताल में अलारिप्पु, कदनकुतुहला में कीर्तनम रघुवंशसुधा, थोडी राग में वर्णम ओस दंडयुधपानी पिल्लई, अष्ट राग मलिका में महाराजा स्वाति तिरुनल का पदम, कृति वृन्दावन निलाये प्रस्तुत किया ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.